Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 244 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने आप पर विजय प्राप्त करना ही सबसे बड़ा विजय है।

To get victory over self is the greatest victory.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

संसद में गूंजा हिमाचल के रेल विकास का मुद्दा

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने संसद में रेलवे बजट पर चर्चा के दौरान पठानकोट-जोगिंदरनगर रेलवे लाइन को ब्रॉडगेज में बदलने और डलहौजी, खजियार व चंबा के लिए नई रेलवे लाइन का सर्वे कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि अंग्रेजों के जमाने में बिना आधुनिक तकनीक के भलकू राम के मार्गदर्शन में कालका-शिमला रेलवे लाइन बनाई जा सकती थी, तो आज नवीनतम तकनीक के साथ हिमाचल के इन पर्यटक स्थलों तक रेल पहुंचाने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

माता वैष्णो देवी मंदिर के भवन की सुरक्षा जांच में चूक, पिस्तौल लेकर पहुंची महिला

कटरा (आरएनएस)। माता वैष्णो देवी मंदिर के भवन में सुरक्षा जांच को तोड़ते हुए एक महिला के पिस्तौल लेकर पहुंचने का मामला सामने आया है। यह घटना 14-15 मार्च 2025 की रात को हुई। महिला की पहचान ज्योति गुप्ता के रूप में हुई है, जो दिल्ली पुलिस में कार्यरत बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ज्योति गुप्ता दर्शन करने के इरादे से पिस्तौल लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश कर गई थी। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) परमिंदर सिंह ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला के पास से बरामद हथियार का लाइसेंस समाप्त हो चुका था।

मुख्यमंत्री साय ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात, विकास कार्यों और नक्सल उन्मूलन पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा बस्तर के विकास का रोडमैप

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात कर राज्य के विकास संबंधी विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बस्तर विकास के मास्टर प्लान का खाका प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इस बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर विकास का मास्टर प्लान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की रूपरेखा शामिल थी। प्रधानमंत्री ने इस योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सुरक्षा बलों की संगठित रणनीति एवं जनभागीदारी के चलते नक्सल प्रभावित इलाकों में तेजी से बदलाव आ रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस और केंद्रीय बलों के संयुक्त प्रयासों से कई नक्सल गढ़ों में विकास की किरण पहुंची है, जिससे जनता का विश्वास सरकार की योजनाओं में और मजबूत हुआ है। सरकार का अब पूरा ध्यान बस्तर को नए औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने पर है, जिससे युवाओं को रोजगार और आदिवासी समुदायों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य की नई औद्योगिक नीति और निवेशकों की बढ़ती रुचि पर भी विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश को आसान बनाने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस, टैक्स छूट और अनुकूल नीतियों को लागू किया है, जिससे बड़ी कंपनियां छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं।

छत्तीसगढ़ में नई औद्योगिक नीति से बढ़ा निवेश, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दी विस्तृत जानकारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मुलाकात में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। उन्होंने बताया कि बस्तर के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लघु वनोपज, जैविक कृषि, हथकरघा, बांस उद्योग और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित कर महिलाओं को न केवल आजीविका के साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों के माध्यम से बस्तर की महिलाओं को उत्पादन और विपणन से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से की सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ दौरा, बड़े विकास कार्यों का होगा शुभारंभ

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की और प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ को बताया महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़, नदी उत्सवों को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ को 1857 के आंदोलत और महात्मा गांधी के दांडी मार्च की तरह महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण बताते हुए मंगलवार को कहा कि सबके प्रयास से यह संभव हो सका।

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में महाकुंभ पर एक बयान में प्रधानमंत्री ने इसे देश की एकता, संस्कृति और सामर्थ्य का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाई। उन्होंने देशवासियों, उत्तर प्रदेश की जनता, खासकर प्रयागराज के लोगों और सभी कर्मयोगियों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ इतना भव्य हुआ। गंगा को धरती पर लाने के लिए भागीरथ ने जो प्रयास किया था, वैसा ही महाप्रयास इस आयोजन में दिखा। मैंने लाल किले से %सबका प्रयास% की बात कही थी, और महाकुंभ में यह साकार हुआ। पूरे विश्व ने भारत के विशाल स्वरूप को देखा। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ को राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसने देश के सामर्थ्य पर उठने वाली शंकाओं को खत्म कर दिया।

उन्होंने पिछले साल हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र करते हुए कहा, राम मंदिर के बाद महाकुंभ ने यह साबित किया कि भारत अगले एक हजार साल के लिए तैयार है। यह हमारे इतिहास में एक ऐसा मोड़ है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दांडी मार्च जैसे ऐतिहासिक पलों का उल्लेख करते हुए महाकुंभ को भी उसी कड़ी का हिस्सा बताया। पीएम ने कहा कि महाकुंभ का उत्साह डेढ़ महीने तक दिखा। लोग सुविधाओं और चिंताओं से ऊपर उठकर इसमें शामिल हुए। पीएम मोदी ने महाकुंभ को एकता का सबसे बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, देशभर से लोग प्रयागराज आए। अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले, अलग-अलग राज्यों के लोग संगम तट पर जुटे। वहां छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं था। मैं नहीं, हम की भावना दिखी। यह एकता आज के दौर में हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, जब दुनिया में बिखराव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने नदियों के संकट पर चिंता जताते हुए कहा, हमारे देश में कई नदियां हैं, लेकिन कुछ संकट में हैं। हमें नदी उत्सवों को बढ़ावा देना होगा ताकि आज की पीढ़ी पानी के महत्व को समझे।

महाकुंभ पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ पर दिए गए बयान पर कहा कि मैं पीएम की बात का समर्थन करता हूं। लेकिन, उन्होंने महाकुंभ भगदड़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि नहीं दी। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने, जिनकी मृत्यु हुई, उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा महाकुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उसपर भी बोलना चाहिए था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष को तो बोलने का मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन नहीं देते हैं, यह न्यू इंडिया है।

विधायक अजय चंद्राकर के सवाल पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने दिया जवाब

नक्सल प्रभावित जिलों के लिए केंद्र से मिले 557 करोड़ तो खर्च हुए 998 करोड़

रायपुर (विसं)। विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल में नक्सल प्रभावित जिलों में साल 2019 से 2023 तक सुरक्षा संबंधी व्यय योजना के तहत कार्ययोजना राशि और खर्च का मामला उठा. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के सवाल पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि केंद्र से 557 करोड़ आया है, और 998 करोड़ से ज्यादा व्यय हुआ है।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने नक्सल उन्मूलन के लिए राशि के प्रावधान और खर्चे को लेकर जानकारी मांगी. इस पर उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने जवाब में आवंटन और व्यय की में अंतर के संबंध में बताया कि इसकी वजह यह है कि पहले राज्य के बजट से ये राशि खर्च हो जाती है फिर इसे रिम्बर्स कराया जाता है, मतलब खर्चे के बाद राशि आती है।

अजय चंद्राकर ने कहा कि कार्ययोजना 13 बिंदुओं में भेजा गया है, और खर्च 25 बिंदुओं में हुआ है. कार्ययोजना किसी और मद के लिए भेजी गई है, और खर्च किसी और मद में हुए हैं. विजय शर्मा ने कहा जिन बिंदुओं का जिक्र सदस्य कर रहे हैं, वो सभी राज्य सरकार मद के हैं. सभी नॉर्म्स के तहत हैं, सब आगे जाकर क्लेम किया जाता है, फिर केंद्र सरकार से राशि प्राप्त हुए हैं।

छ.ग. विधानसभा में गूंजा पुलिस भर्ती और भर्ती में शिकायतों का मामला

सीबीआई जांच की मांग पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने दिया जवाब

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को पुलिस भर्ती और भर्ती में शिकायतों का मामला गूंजा. कांग्रेस विधायक द्वारकाधीश यादव ने मुद्दा उठाते हुए केवल आरक्षक पर हुई कार्रवाई पर सवाल उठाते मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की. इस पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अच्छा है अब विपक्ष को अब केंद्रीय एजेंसियों पर भरोसा हो गया है.

कांग्रेस विधायक द्वारकाधीश यादव ने पुलिस भर्ती का मुद्दा उठाते हुए जिलेवार भर्ती की जानकारी मांगी. फरवरी 2025 तक रिक्त पदों की संख्या कितनी है? कब तक पर्याप्त भर्ती होगी? इसके साथ भर्ती में त्रुटि और कार्यवाही की जानकारी भी मांगी. डीएप्टी सीएम विजय शर्मा ने जवाब देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में पुलिस भर्ती प्रक्रिया ने शिकायतों की संख्या 1 जनवरी 2024 से 15 फरवरी 2025 तक बिलासपुर जिले में 2 शिकायत प्राप्त हुई है, और राजनांदगांव में एक उपनिरीक्षक से शिकायत प्राप्त हुई है. इस मामले कार्रवाई की गई है. उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया विचाराधीन है. विधायक ने इस पर कहा कि आपने आरक्षक पर कार्रवाई की, लेकिन क्या आरक्षक अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. इस मामले में सीबीआई जांच होनी चाहिए. इस पर विजय शर्मा ने कहा कि अच्छा है अब सदन के विपक्ष सदस्यों को अब केंद्रीय एजेंसियों पर भरोसा हो गया है. यह वही भर्ती है, जो आपकी सरकार में नही हो सकी. हमने कोई भी कार्रवाई छुपाई नहीं, बल्कि हाई कोर्ट में जाकर 129 प्रकरण हमने पुटअप किए हैं. हमने जिसको दोषी पाया कार्रवाई की. इस पर कांग्रेस विधायक चातुरीनंद ने कहा कि मेरे क्षेत्र में एक आरक्षक ने आत्महत्या की उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई. विजय शर्मा ने कहा कि इस मामले में आईजी खुद जांच कर रहे हैं. 16 लोग जेल में हैं. कार्रवाई आगे बढ़ी है. निश्चित ही कार्रवाई होगी.

सहायक शिक्षकों का फिर से प्रदर्शन, निकाली रैली

रायपुर (विसं)। समायोजन की मांग के साथ बर्खास्त किये गये बीएड सहायक शिक्षकों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने रैली निकालकर अपना विरोध प्रकट किया। बर्खास्त शिक्षकों ने यह पूरा प्रदर्शन अनुसूचित जाति शासकीय सेवक विकास संघ के बैनर तले किया। यह रैली नया रायपुर धरना स्थल से मंत्रालय तक पहुंची। यहाँ सुरक्षा में तैनात पुलिकर्मियो ने उन्हें बैरिकेट लगाकर रोक दिया। इस दौरान वे लगातार नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारी बर्खास्त शिक्षकों का कहना है कि, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती उनका धरना प्रदर्शन ,आंदोलन जारी रहेगा। गौरतलब है कि, छत्तीसगढ़ के 2,897 बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक एक बार फिर से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं।

सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष से रवाना, पीएम मोदी ने खत लिखकर कही बेहद खास बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर करीब नौ महीने तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'फंसे' रहने के बाद आखिरकार धरती पर लौट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता विलियम्स के नाम एक भावपूर्ण पत्र लिखकर उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की है।

प्रधानमंत्री द्वारा 1 मार्च को लिखा गया यह पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। उन्होंने लिखा, पूरी दुनिया सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस महत्वपूर्ण क्षण में पीएम मोदी ने भारत की इस गौरवशाली बेटी के लिए अपनी चिंता और शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा, भले ही आप हजारों मील दूर हैं, लेकिन आप हमारे दिलों के बेहद करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और आपके मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अमेरिका की अपनी पिछली यात्राओं और विभिन्न राष्ट्रपतियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने हमेशा सुनीता विलियम्स के बारे में जानकारी ली।

सुकमा के ग्रामीणों ने पहली बार राजधानी का किया भ्रमण, विधानसभा कार्यवाही देखकर हुए उत्साहित

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं से कहा- सरकार आपके गांवों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के तहत शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे युवा: पहली बार देखा रेलवे स्टेशन, विधानसभा और वनवासी कल्याण आश्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के दूरस्थ गांवों से आए युवाओं के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के तहत नियद नेल्लानार योजना में शामिल सिलगेर, पूवर्ती, एलमागुंडा, लखापाल, शालातोंग, साकलेर, छोटेकेडवाल, बगडेगुड़ा और बेदरे जैसे गांवों के 119 युवा पहली बार अपने गांव से बाहर निकले और राजधानी रायपुर पहुंचे। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान युवाओं ने रेलवे स्टेशन, छत्तीसगढ़ विधानसभा और वनवासी कल्याण आश्रम का दौरा किया।

राजधानी आगमन के दौरान युवाओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा का भ्रमण किया और दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही देखी, जिससे वे बेहद उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि युवा चाहें तो अपने गांव में अमन-चैन और विकास की रोशनी फैला सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने युवाओं से उनके गांव की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके गांवों में पक्की सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, राशन, चिकित्सा और आवास जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की और कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हम सभी मिलकर छत्तीसगढ़ को विकसित और समृद्ध राज्य बनाएंगे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नियद नेल्लानार योजना के तहत गांवों के आर्थिक विकास के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन गांवों के निकट नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं, जिससे माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके और शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि आजादी के 75 साल बाद पहली बार अपने गांव से बाहर निकल कर राजधानी पहुंचे अनेक ग्रामीणों ने प्रदेश की प्रगति को नजदीक से देखा और भविष्य में अपने गांवों के विकास में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में दूरस्थ क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचे और वहां के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ें। राज्य सरकार प्रदेश के माओवाद प्रभावित इलाकों में तेजी से बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता और नवाचार का नया अध्याय: खनिज प्रबंधन में डिजिटल युग की नई शुरुआत

2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक 11,581 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व अर्जित

- **44 खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक ई-नीलामी: देश में पहली बार खनिज लिथियम ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी**
- **बैलाडीला क्षेत्र में तीन नए लौह अयस्क ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया जारी**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पारदर्शी खनन नीति, ई-नीलामी, डिजिटल निगरानी और पर्यावरण-संवेदनशील खनन रणनीतियों को अपनाकर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नए आयाम दिए हैं।

खनिज संसाधनों के सुव्यवस्थित उत्खनन के चलते बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ के खनिज राजस्व में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के गठन के समय की तुलना में खनिज राजस्व में 30 गुना वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 13,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक ही 11,581 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। यह पारदर्शी खनन नीति और प्रभावी प्रशासन का परिणाम है। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी सफलतापूर्वक की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है। भारत सरकार द्वारा देश के आर्थिक एवं सामरिक विकास को ध्यान में रखते हुए क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के लिए राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई है। इस के अनुरूप प्रदेश में विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 से ही क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के अन्वेषण / खोज पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके तहत 56 अन्वेषण परियोजनाओं में से 31 परियोजनाओं अंतर्गत क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स पर कार्य किये जा रहे है।

प्रदेश में अब तक 10 क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स जिसमें लिथियम का 1, स्वर्ण का 3, निकल, क्रोमियम का 2, ग्रेफाइट का 2 ग्लूकोनाइट के 2 मिनरल ब्लॉक की नीलामी की गई है।

देश में पहली बार खनिज लिथियम ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी की कार्यवाही भारत सरकार द्वारा की गई है जिसके तहत् जिला कोरबा के कटघोरा लिथियम ब्लॉक को मेसर्स साउथ मायकी मायनिंग कंपनी को 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि पर आबंटित किया गया है। राज्य के सुकमा एवं कोरबा जिले में भी लिथियम अन्वेषण कार्य किया जा रहा है जिसमें लिथियम के भण्डार पाये जाने की पूर्ण संभावना है।

बैलाडीला क्षेत्र भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडारों में से एक है। यहां तीन नए लौह अयस्क ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया जारी है, जिसे मार्च 2025 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा कांकेर जिले के हाहालद्दी लौह अयस्क खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आपत्ति दावा का अंतिम प्रकाशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत अंतिम पात्र/अपात्र की सूची

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर मकान-मोर आस योजना के

तहत निर्मित फ्लैट आवास जो कि सरस्वती नगर, गोकुल नगर, गणपति विहार बोरसी में बनाया गया है, जिसके अंतर्गत आपत्ति दावा की प्रक्रिया के संपादन पश्चात अंतिम पात्र/अपात्र की सूची प्रकाशित की जा रही है। इस सूची को विभागीय वेबसाईड www.municipalcoporationdurg.in में देखा जा सकता है तथा यह सूची नगर निगम के मुख्य कार्यालय में एवं डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में चस्पा किया गया है। दावा आपत्ति की प्रक्रिया के संपादन पश्चात अंतिम पात्र की सूची जारी किया गया है। पात्र हितग्राहियो को सूचित किया जाता है कि वे डाटा सेंटर में संपर्क कर नियमानुसार राशि जमा करें तथा जल्द से जल्द आधीपत्य प्राप्त कर लेवे ! इसके अलावा जिन-जिन परिवारों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जा चुका है किंतु उन्होंने आबंटन पत्र प्राप्त नहीं किया है ऐसे परिवारो से महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अनुरोध किया है कि अपना आबंटन पत्र डाटा सेंटर, सेन्ट्रल लाईब्रेरी प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से प्राप्त कर लेवे।

नामांकन के दूसरे दिन तीन फार्म दिये गये एवं दो फार्म जमा हुए

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव-2025 की प्रक्रिया के तहत नाम निर्देशन के दूसरे दिन आज मंगलवार, दिनांक 18 मार्च 2025 को तीन नाम निर्देशन पत्र दिये गये व दो नाम निर्देशन पत्र जमा हुए। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिवराज भंसाली, निर्वाचन अधिकारी- प्रकाशचन्द गोलछा, बालकृष्ण दानी, महावीर तालेडा, अनिल जैन(कुचेरिया), संजय देशमुख, मुख्य निर्वाचन नियंत्रक एच.एस.कर, एवं चेम्बर चुनाव कार्यालय प्रभारी एस.एम.रावते प्रमुख रूप से उपस्थित थे। दिनांक 19 मार्च 2025 बुधवार को नाम निर्देशन पत्र दिये जाने का अंतिम दिन समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। दिनांक 20 मार्च 2025 गुरुवार को नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी।

रामगढ़िया सेवक सभा महिला विंग द्वारा विमेंस डे मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। 17 मार्च को वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में रामगढ़िया सेवक सभा महिला विंग ने अपने समाज की डॉक्टर्स, CA, bankers, होम ट्यूटर्स, योगा इंस्ट्रक्टर, शेफ,पॉलिटिकल फेस, टेलर्स और अन्य कुल 131 महिलाओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साइकोलॉजिस्ट डॉ वर्षा वरवंडकर, HOD (फैशन डिज़ाइनिंग) MATS कॉलेज परमिंदर कौर और जाने माने न्यूट्रीशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट हैप्पी सिंह एवं गगनदीप सिंह आमंत्रित थे, जिन्होंने बहु मूल्य जानकारियाँ दी। महिला विंग द्वारा कॉमेडी डांस की प्रस्तुति से ऑडियंस हास्य से लोटपोट हो गई। मंच संचालन की भूमिका कवलजीत कौर (सोनू) और अंशु राणा निभाई। BODs हरशरण कौर राणा, बलविंदर कौर, कुलदीप विरदी,जसबीर कौर, कमलजीत कौर, बलजीत कौर, संजीत कौर और अध्यक्ष प्रदीप कौर मुदड़, अंशु राणा, नीतू भूई, कवलजीत कौर, जसविंदर कौर,जीत कौर, मंजू भामरा और स्वीटी सग्गू उपस्थित थीं।

भेलवा तालाब में दीमक लगे पेड़ो पर चुना एवं पोटैशियम परमैंगनेट से किया जा रहा पोताई

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नेहरू नगर भेलवा तालाब का प्रमुख आकर्षण वहां के पुराने कतारबद्ध लगे हुए विभिन्न प्रकार के आकर्षक वृक्ष

है, जो सभी के मनो को मोह लेते है। नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत के साथ भेलवा तालाब संधारण से संबंधित चर्चा के लिए गये हुए थे। वहीं पर योगा, प्रणायाम करने वाले शैलेन्द्र सिंग, जितेन्द्र सिंग, कवित्री संध्या श्रीवास्तव, प्रदीप डालमिया, डां ललित पोपट ने शिकायत की पेड़ो के ऊपर दीमक लग रहे है। जिससे कुछ ही दिनो में अच्छे खासे हरे-भरे पेड़ सूख जायेगे, दीमक बहुंत खतरनाक होते है, सब पेड़ो को नुकसान पहुचायेगें, समय पर इसका निदान करना जरूरी है। आयुक्त पाण्डेय ने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को वहीं से फोन करके तुरन्त इसका निदान करने के लिए आदेशित किये। आदेशानुसार दीमक लगे पेड़ो के ऊपर चुना एवं पोटैशियम परमैंगनेट से पोताई की जा रही है, इससे दीमक की समस्या का समाधान हो जायेगा। साथ में यह भी ध्यान दिया जायेगा कि पोताई माह में 2 बार हो, जिससे दीमक लगे पेड़ो से दीमक निकलकर दुसरे पेड़ो तक जाकर नुकसान न पहुंचाने पावें। सभी पेड़ो को पानी भी समय अनुसार डाला जा रहा है, जिससे पेड़ हरे-भरे रहे। वहीं पर पेड़ो के पत्तो को संग्रहित कर उससे कम्पोस्ट खाद भी बनाया जा रहा है। जिससे वहीं पर स्थित पेड़ पौधो को खाद भी मिल सके। इस दौरान उपअभियंता बसंत साहू, जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक शैक्षिक भ्रमण के तहत विधानसभा का दौरा किया। सभी छात्रों ने विधानसभा सत्र और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

इस दौरान छात्रों की भेंट विपक्ष के नेता श्री चरणदास महंत जी से हुई। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को शुभकामनाएँ दीं। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. वरुण गंजीर ने श्री महंत जी को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके बाद सभी छात्रों ने विधानसभा की केंद्रीय पुस्तकालय और केंद्रीय हॉल का भ्रमण किया। अंत में, सभी छात्र एवं शिक्षकगढ़ उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी से मिले। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्री अरुण साव जी ने श्री दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि युवा पीढ़ी ही देश के विकास की रीढ़ है और ऐसे शैक्षिक भ्रमण उनके ज्ञानवर्धन में सहायक होते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी छात्रों और शिक्षकों को भविष्य में इसी तरह उन्नति करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन श्री देवेंद्र गुलहरे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मुख्य परीक्षा नियंत्रक डॉ. वरुण गंजीर, श्री भागवत शिवारे, श्री रामकृष्ण भगत, सुश्री प्रांजलि तिवारी, सुश्री निकिता, श्रीमति प्राची चंद्राकर, श्रीमति गुड्डी नामदेव, सुश्री मधुरा, सुश्री दीक्षा इत्यादि शामिल थे।

सुरक्षा की दृष्टि से 9 एस.एल.आर.एम. सेंटर के 405 स्वच्छता दीदीयों को स्वच्छता किट वितरित किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में 9 एस.एल.आर.एम. सेंटर संचालित हो रहे है। जहां पर भिलाई शहर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग कर सेग्रिगेट किया जाता है। गीले कचरे से खाद बनाया जाता है और सूखे कचरे को छांट कर पुनः उपयोग के लिए स्वच्छता दीदीयों द्वारा बेच दिया जाता है। स्वच्छता दीदीयों को निगम द्वारा जीवन यापन के लिए एक निर्धारित मानदेय राशि भी प्रदान किया जाता है, उसके साथ ही छांट कर बेचे गये सामग्री से मिलने वाली राशि को स्वच्छता दीदीयों द्वारा आपस में बांट लिया जाता है।

आज नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एस.एल.आर.एम. सेंटर जाकर स्वच्छता दीदीयां स्वस्थ रहे इसलिए उन्हे स्वच्छता किट वितरित किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से वर्दी (महिलाओ के लिए साड़ी, ब्लाउज, पेटिकोट सहित), मास्क, केनवास शूज, गमबूट, रबर ग्लबस, टोपी, एपरन, मोजा, काटन ग्लबस, रैनकोट, नेम बैज, पहचान पत्र आदि प्रदान किया गया। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने बताया कि समय-समय पर सफाई कर्मचारियो का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जाता है। स्वच्छता किट प्रदान करने से उन्हे कार्य करने में बहुत सहुलियत होगा। कुछ कर्मचारी ऐसे है, जिन्हे सब पहन कर कार्य करने में अटपटा लगता है निकाल देते है। हम सब लोग उन्हे पहनने के लिए बीच-बीच में टोकते रहते है। स्वच्छता दीदीयों द्वारा सफाई के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में 9 एस.एल.आर.एम. सेंटर नेहरू नगर, कोसानगर, खम्हरिया, बटालियन, राधिका नगर, पीली मिटटी, कुरूद, बैकुण्ठधाम, गौतम नगर खुर्सीपार में संचालित हो रहा है। स्वच्छता किट वितरण के दौरान कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सहायक अभियंता प्रिया करसे, उपअभियंता चंदन निर्मलकर, जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, पीआईयू अभिनव ठोकने, सुभम पाटनी आदि उपस्थित रहे।

31 मार्च के बाद संपत्तिकर जमा किया तो देना पड़ेगा 15% पेनाल्टी, अप्रैल में एक हजार की लगेगी पैनल चार्ज

छुट्टी के दिन भी लोग संपत्ति कर जमा कर सकते हैं, टैक्स वसूली के लिए निगम ने ताकत झोंक दी हैं

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर निगम दुर्ग में 31 मार्च के बाद टैक्स जमा करने वालों को 15 प्रतिशत ब्याज व एक हजार रुपए अधिभार देना होगा। इसके लिए नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अपील जारी की है।आयुक्त ने कहा है कि जलकर, संपत्ति कर, भू भाटक सही समय पर जमा करने पर अधिभार नहीं लगेगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 का टैक्स जमा करने के लिए केवल 13 दिन ही शेष रह गए हैं। 31 मार्च की अंतिम तिथि तक टैक्स जमा करने में अधिभार नहीं लगेगा।

इसके बाद से 15 प्रतिशत व एक हजार रुपए अतिरिक्त अधिकार लगेगा। हालांकि इस बार संपत्ति कर जमा करने के लिए राजस्व टैक्स काउंटर में लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। निगम प्रशासन द्वारा संपत्ति कर जमा करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। आगामी 31 मार्च तक टैक्स का भुगतान नहीं करने पर बकाया राशि का पन्द्रह फीसदी अधिभार व एक हजार रुपए की पैनाल्टी निगम करदाताओं से वसूल करेगी। बहरहाल वितिय वर्ष के सिर्फ 13 ही दिन शेष है। नगर निगम आयुक्त ने वसूली के लिए राजस्व विभाग अमला एवं राजस्व अधिकारी आरके बोरकर व सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर को निर्देश दिए हैं।

शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय रायपुर में महिला प्रोफेसर के साथ दुर्व्यवहार की जांच के लिए भावना बोहरा ने विधानसभा में उठाया प्रश्न

विभागीय मंत्री ने कहा- 3 दिन के भीतर होगी कार्यवाही

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने आज विधानसभा में महिला के साथ दुर्व्यवहार एवं विशाखा समिति के संबंध में बहुत ही संवेदनशील विषय सदन के समक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2018 में शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ प्रिंसिपल जी.आर.चतुर्वेदी द्वारा महिला प्रोफ़ेसर के साथ किये गए दुर्व्यवहार के विषय में अब तक कार्यवाही नहीं होने के संबंध में प्रश्न किया और उसमें विशाखा समिति की तत्कालीन अध्यक्ष जिन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की अनुशंसा की गई उनके ऊपर खुद झूठा आरोप लगाने के विषय की जानकारी भी सदन में रखी और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की।

भावना बोहरा ने प्रश्न किया वर्ष 2018 में कांग्रेस शासन के दौरान शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संविदा प्रोफ़ेसर अनीता शर्मा द्वारा वर्तमान प्राचार्य जी.आर. चतुर्वेदी के खिलाफ दुर्व्यवहार करने की शिकायत की थी, जिसकी जांच विशाखा समिति द्वारा तत्कालीन समिति अध्यक्ष डॉ. सरोज परहाते की अध्यक्षता में की गई जिसमें प्राचार्य जी.आर. चतुर्वेदी और उनके सहयोगी सेवानिवृत्त शांति किशोर मांझी को दोषी पाया गया था। लेकिन अधिकारियों द्वारा इसकी जांच अभी तक लंबित हैं और इसमें दोषियों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। भावना बोहरा ने कहा कि विशाखा समिति की जांच में प्राचार्य जी.आर.चतुर्वेदी को दोषी पाया गया परन्तु तत्कालीन समय में डॉ. सरोज परहाते को षड्यंत्रपूर्वक विशाखा समिति से हटा दिया गया एवं उनके ऊपर झूठे आरोप लगाए गए वहीं दोषी प्राचार्य का प्रमोशन कर दिया गया। आज 8 वर्ष हो गए हैं लेकिन अनीता शर्मा को अब तक न्याय नहीं मिला है वहीं दोषी का प्रमोशन कर दिया गया है इसके खिलाफ जल्द से जल्द जांच पूरी कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग भावना बोहरा ने सदन के समक्ष की।

भावना बोहरा के प्रश्न का प्रतिउत्तर देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जी ने कहा कि वर्ष 2018 में हुई यह घटना बहुत ही संवेदनशील है और इस शिकायत की जांचकर्ता डॉ. सरोज परहाते पर भी झूठे आरोप लगाए गए हैं। यह संवेदनशील विषय है और उन दोनों महिलाओं के साथ अन्याय हुआ है और 9 जनवरी 2023 को माननीय उच्च न्यायालय ने इस विषय को संज्ञान में लेते हुए पुनः जांच करने के निर्देश दिए जिसकी पुनः विशाखा समिति द्वारा जांच की गई और उस जांच की रिपोर्ट शासन के पास आ चुकी और जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि प्राचार्य जी.आर. चतुर्वेदी को अन्यत्र स्थान्तरण करने एवं जो समाचार पत्रिका है उसपर जनसंपर्क के माध्यम से कार्यवाही करने हेतु समिति ने अनुशंसा की है साथ ही उनके सहयोगी जो रिटायर्ड हो चुके हैं शांति किशोर मांझी पर भी नियमानुसार कार्रवाई होगी और यह कार्रवाई 3 दिनों के भीतर की जाएगी।

भावना बोहरा ने स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं के संबंध में प्रश्न पूछा कि वर्ष 2023 से 1 फरवरी, 2025 तक कबीरधाम जिले अंतर्गत पंजीकृत प्राइवेट हॉस्पिटलों में आयुष्मान कार्ड एवं राशन कार्ड से इलाज संबंधित कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं? उन पर क्या कार्रवाई की गई? क्या आयुष्मान कार्ड एवं राशन कार्ड से राशि समायोजित करने के उपरांत नगद राशि लेने का प्रावधान है? यदि हां तो किस नियम तक के तहत राशि ली जाती है? यदि राशि लेने का प्रावधान नहीं है तो इससे संबंधित प्राप्त शिकायतों पर प्राइवेट अस्पतालों के ऊपर नियमों के तहत क्या-क्या कार्रवाई की गई?

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना
निविदा संख्या : SECRHQENGGTM-AC-2025-03. दिनांक : 10.03.2025.
निविदा मूल्य : ₹ 2,59,11,988.00/- ।
कार्य का नाम : एसईसीआर पर काम करने वाली ट्रैक मशीनों से जुड़ कैंपिंग कोचों के लिए तीन (3 नग) 1-टन, 220 वोल्ट एसी-संचालित स्प्लिट एयर कंडीशनिंग इकाइयों की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग, साथ ही 10 केवीए साइलेंट डीजी सेट।
बंद होने की तिथि व समय : 27.03.2025 को, 15:00 बजे।
टिप्पणी : निविदा सूचना और निविदा दस्तावेजों के लिए पूरा विवरण देखने के लिए, निविदाकर्ता वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉगिन कर सकते हैं।
मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
सहा. कार्यपालन इंजी./टी.एम./मुख्या.
सीपीआर/10/568 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./19165/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 18-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19165
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR664B00415** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती BHAGWATI DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GANESH** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती BIHARI LAL PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANRAKHAN PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./19164/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 18-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19164
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567C00092** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RAMESH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMTA RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती RADHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./ 19167/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 18-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19167
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567H00332** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SANDHYA PATLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAJESH PATLE** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. VISHVJEET SONI 2. HEMANT SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TOSHAM LAL SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 869 दिनांक 18.03.2025
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **19** मांग **पंजी क्र. 114 युआईडी 21410** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **प्रतिक पैनल / मनमोहन सिंह स्व. श्याम सिंह** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रणदीप शर्मा / विनोद शर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **17-04-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 870 दिनांक 18.03.2025
वार्ड का नाम- ठाकुद देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **18** मांग **पंजी क्र. 362 युआईडी 20991** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कोमल वर्मा / केजूराम वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रवि कुमार / कोमल वर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **17-04-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /19101/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 18-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19101
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870I00210** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIKITA DEEPAK GAUTAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEEPAK GAUTAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SWARNA KALE W/O ABHISHEK NUKSHEWALE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SHRI KRISHNA KALE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /19120/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 17-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19120
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802D00656** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANGEETA KUMARI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR MAHTO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. ANJU PAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAKESH PAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./17263/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 17-01-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 17263
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653D00226** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PURNIMA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHINTARAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHARTI BAI PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SURAJ KUMAR PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./19166/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 18-03-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 19166
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565F00016** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती KRISHNA KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SARHA RAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. ANITA DEWANGAN W/O RADHESHYAM DEWANGAN 2. KIRAN DEWANGAN W/O PRADIP DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 19 मार्च 2025

पी एम श्री विद्यालय में हुई पालक समिति की बैठक

अभिभावको ने शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)– भटगांव के पीएम श्री विद्यालय में एसएमसी समिति और पालक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विद्यालय के बच्चों के बौद्धिक विकास, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की कमी पर चर्चा की गई। विद्यालय की प्रधान अध्यापक श्रीमती कौशल्या ने बैठक में अभिभावकों को विद्यालय की गतिविधियों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में यह भी चर्चा की गई कि सोशल मीडिया पर विद्यालय की छवि खराब करने के लिए कुछ सामग्री डाली गई है, जिसका खंडन पालक समिति ने किया। इसके अलावा, बैठक में यह भी तय किया गया कि विद्यालय में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए कक्षा वार शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। फ्लिहाल, विद्यालय में सिर्फ तीन शिक्षक पदस्थ हैं।

पीएम श्री विद्यालय के किसी भी शिक्षक को अन्य किसी भी कार्य में संलग्न न किया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई पर इसका कोई प्रभाव न पड़े। वो इसलिए की यहां तीन शिक्षक पदस्थ हैं प्रधानाध्यापिका श्रीमती कौशल्या,सहायक शिक्षक श्रीमती तनुजा एक्का, सहायक शिक्षक श्रीमती गायत्री मिश्रा जो सीएससी भी है और उनके सीएससी होने के कारण पूरा समय विद्यालय मे नहीं दे पाती जिससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित होता है। इस बैठक के माध्यम से विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्तामें सुधार करने और बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस बैठक में एसएमसी अध्यक्ष रुस्तम खान सहायक शिक्षक तनूजा एक्का, सगुन पैकरा समिति सदस्य आलम साय राजवाड़े,मनोज मेहता,श्रीमती सकीना, बाल कृष्णा सिंह, पूनम ठाकुर,अंजू भगत, मो. यूनुस, भुनेश्वरी, कलेश्वरी, पूर्व पार्षद श्रीमती उर्मिला राजवाड़े सहित 42 अभिभावक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)–आज कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी मरीजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल परिसर, शौचालयों, चिकित्सकों की उपस्थिति और अस्पताल व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी चिकित्सकों को समय पर उपस्थित होने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। साथ ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए कहा।

बालको में होली का त्योहार धूमधाम से संपन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। बालको परिवार ने होली उत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया। बालको के एल्यूमिनियम क्लब में आयोजित कार्यक्रम में बालको के अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवारजन और विभिन्न श्रमिक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने तबला और ढोलक की सुमधुर धुनों पर फाग गीतों का आनंद लिया। सीईओ श्री राजेश कुमार और बालको महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार ने बालको परिवार को होली की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। होली की पूर्व संध्या पर बालकोनगर स्थित जीईटी हॉस्टल में होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालको के युवा अधिकारियों ने विधिपूर्वक होलिका की पूजा-अर्चना कर उसका दहन किया। कंपनी द्वारा आयोजित इस होली उत्सव में स्व सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा निर्मित गुलाल का उपयोग किया गया।

पत्नी ने खाना बनाने से किया मना, तो पति ने कर दी हत्या

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के लेमरू थानांतर्गत ग्राम डीड़ासराई में पति ने अपनी पत्नी को खाना बनाने से मना करने पर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार थानांतर्गत ग्राम डीड़ासराई के रहने वाले सुनाराम मांझी और पत्नी सनमती बाई दोनों ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान सुनाराम ने अपनी पत्नी सनमती को खाना बनाने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और आक्रोश में आकर पति सुनाराम ने घर में रखे टंगिया से सनमती बाई पर हमला कर दिया। और इसके बाद लहुलुहान पत्नी को बस चूल्हे के पास चादर ओढ़ाकर छोड़ दिया। बताया जाता है आरोपी सुनाराम के तीन बच्चे हैं, जो अपने दादा के घर में सोने के लिए जाते हैं.। घटना के दिन भी बच्चे दादा के घर गये थे और जब दूसरे दिन सुबह बच्चे अपनी मौसी और दादा के साथ घर पहुंचे तो देखा की सनमती बाई लहुलुहान पड़ी है और उसकी मौत हो चुकी है।

कोरबा की संजू देवी ने कबड्डी में रोशन किया राज्य का नाम

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के एक छोटे से गांव केराकछार की बेटी संजू देवी ने गरीबी के बावजूद अपने संघर्ष और मेहनत के बल पर कबड्डी खेल में राज्य का नाम रोशन किया है। संजू देवी ने छठवीं एशियन महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया है, जो उनकी उपलब्धि का प्रमाण है। संजू देवी का परिवार गरीबी के कारण कई चुनौतियों का सामना करता है, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की और अपने खेल के प्रति समर्पित रहीं। संजू देवी के पिता एक छोटे से किसान हैं और उनकी माता एक घरेलू महिला हैं। उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति के बावजूद अपनी बेटी को कबड्डी खेल में आगे बढ़ाने के लिए पूरा समर्थन दिया। संजू देवी ने अपने गांव के स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और कबड्डी खेल में अपनी रुचि को पहचाना। उन्होंने अपने गांव के कबड्डी क्लब में शामिल होकर अपने खेल को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। संजू देवी की मेहनत और समर्पण का फल उन्हें जल्द ही मिला, जब उन्हें छठवीं एशियन महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भारत की ओर से खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपने खेल के प्रति समर्पित रहकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। संजू देवी की उपलब्धि ने न केवल उन्हें, बल्कि उनके परिवार, गांव और देश को भी गौरवान्वित किया है। यह दिखाता है कि यदि आप अपने सपनों पर विश्वास करते हैं और उनके लिए कड़ी मेहनत करते हैं, तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने जोड़ा हाथ-शहर को सुंदर बनाने में आपकी भागीदारी सबसे महत्तवपूर्ण

मेन मार्केट की सफाई व्यवस्था सुधारने नगर पालिका की पहल

कवर्धा(विश्व परिवार)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने व्यापारियों से हाथ जोड़कर कहा-शहर को सुंदर बनाये रखने में आपकी सहयोग की आवश्यकता है शहर सुंदर तब बनेगा जब आप जागरूक होगें, उन्होनें कहा कि शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में आपकी सहभागिता अत्यंत महत्तवपूर्ण है ऋषभदेव चौक से लेकर पुराना नगर पालिका गुरूनानक गेट तक मेन मार्केट क्षेत्र कवर्धा शहर की शान है। इसको स्वच्छ व सुंदर बनाने में नगर पालिका की मदद करें। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने आज अपने पार्षद टीम रिंकेश वैष्णव, सुनील साहू, अजय ठाकुर, दुर्गेश अवस्थी, डोनेश राजपूत, दीपक सिन्हा, बिहारी राम धुर्वे, सौखी आहिरवार, शंभू देवांगन, हरीश साहू, अनिल साहू, कैलाश कौशिक सहित नगर पालिका अधिकारी-कर्मचारियों ने ऋषभ देव चौक से लेकर महावीर स्वामी चौक पुराना नगर पालिका गुरूनानक गेट तक पैदल मार्च करते हुए प्रत्येक व्यापारियों तक पहुंचे। उन्होनें हाथ जोड़ा, निवेदन किया कि हमारे नगर पालिका टीम की मदद करें, उन्होनें कहा कि यह मार्ग बहुत ही व्यस्तम होने के साथ-साथ कवर्धा शहर की शान है इस मार्ग के साथ-साथ पूरे कवर्धा शहर को स्वच्छ बनाना है इसी आशा और उम्मीद को लेकर हम आपके दुकान तक पहुंचे है। व्यापारियों के पास जब नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी पहुंचे, तब व्यापारियों ने सहयोग का भरपूर आश्वासन दिया। उनके द्वारा कहा कि आप व आपके टीम द्वारा सफाई व्यवस्था को लेकर सड़क पर उतरे है उसका पूरा ख्याल रखा जायेगा, व्यापारियों ने कहा सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए की गई यह पहल बहुत ही सराहनीय है। नपाध्यक्ष द्वारा दुकानदारों से अपील करना और कचरा डस्टबिन में डालने तथा नगर पालिका के कचरा वाहन में कचरा डालने का निवेदन करना यह दिखाता है कि वे शहर की स्वच्छता को लेकर कितने संवेदनशील हैं। ऐसी पहल न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। इस तरह के कदमों से शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार होने की संभावना होती है और नागरिकों में भी साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ती है। उम्मीद है कि शहरवासियों का सहयोग मिलेगा और कचरा प्रबंधन में सुधार होगा। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने ऋषभ देव चौक से लेकर गुरूनानक गेट पुराना नगर पालिका तक रात्रिकालीन सफाई कार्य में निकलने वाले वाहन का नंबर, ड्रायवर का नाम नंबर व सुपरवाईजर का नाम नंबर दुकानदारों को बांटे। उन्होनें कहा कि रात्रिकालीन में होने वाले सफाई कार्य के लिए कर्मचारियो से सीधे संपर्क कर सकते है उन्होनें कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि व्यापारियों का पूरा कचरा अपने गाड़ी में डाले, ताकि सड़को पर कचरा ना फैले।

प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान सहित चार अन्य पार्षद शामिल विभागों का भी हुआ बटवारा

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)– बिश्रामपुर नगर पंचायत का प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन किया गया जिसमें 5 सदस्य शामिल किए गए। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत बिश्रामपुर प्रेसिडेंट इन काउंसिल के गठन एवं उसका विभागों का बंटवारा कर दिया गया।नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 70 एवं प्रेसिडेंट इन काउंसिल के कामकाज के संचालक तथा प्राधिकारियों की शक्तियों एवं कर्तव्य नियम 1998 के अनुसार नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव प्रेसिडेंट इन काउंसिल के सदस्यों की घोषणा की तथा सदस्यों के विभागों का बंटवारा किया,जिसमें पार्षद एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान को राजस्व तथा बाजार विभाग, माधुरी मंडल का आवास पर्यावरण लोक निर्माण एवं जल कार्य विभाग, विनोद सरवते को पुनर्वास नियोजन विधि तथा सामान्य प्रशासन विभाग ,अर्चना लकड़ा शिक्षा महिला एवं बाल कल्याण विभाग, रंजीत यादव को खाद्य नागरिक आपूर्ति स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग का दायित्व सोपा गया है

कलेक्टर ने 8वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान स्कूल का किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)–आज कलेक्टर एस जयवर्धन ने 8वीं बोर्ड परीक्षा अंतर्गत आयोजित गणित की परीक्षा के दौरान सूरजपुर कन्या विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा नियंत्रक सहित संबंधित अधिकारियों को परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न कराने और किसी भी प्रकार की नकल गतिविधि पर रोक के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए कहा।

कोटपा एक्ट की कार्यवाही, 1967 दुकानदारों पर हुई कार्यवाही

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक परिवार)–जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ''नवजीवन'' के अंतर्गत, पुलिस ने स्कूलों के आस-पास गुटखा और तम्बाकू बेचने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को स्कूल-कालेज के आसपास, सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू बेचने और धूम्रपान करने तथा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को गुटखा और तम्बाकू बेचने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में जिले के थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा व्यापक अभियान चलाया। वर्ष 2024 में अभियान के दौरान पुलिस ने स्कूलों के नजदीक गुटखा और तम्बाकू बेचने वाले 1967 दुकानदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की। सभी दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही कर 3 लाख 64 हजार 7 सौ 50 रूपये की फाईन की गई। यह अभियान बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से चलाया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान जारी रहेंगे और जो लोग कानून का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

किसान पंजीयन और डिजिटल फसल सर्वे रबी 2025 के कार्यों को करें शीघ्र पूर्ण - कलेक्टर

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार - कलेक्टर एस. जयवर्धन ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली एवं विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों, जनदर्शन, जन चौपाल आदि में प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने एग्री स्टेक योजना के अंतर्गत किसान पंजीयन और डिजिटल फसल सर्वे रबी 2025 के कार्यों की समीक्षा भी की। पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण हो इसके लिए कार्य योजना अनुरूप युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश संबंधितों को दिए। उन्होंने कहा कि एग्री स्टेक योजना से किसानों के लिए एक संपूर्ण डेटाबेस बनाना है, जिसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, ऋण, फसल की जानकारी और बीमा के बारे में जानकारी शामिल है। इसलिए पंजीयन कार्य को प्राथमिकता देते हुए मुर्तरूप देना अधिकारी सुनिश्चित करे। इसके साथ ही उन्होंने कृषि, खाद्य व उसके संबंध विभाग, राजस्व विभाग तथा सीएससी (लोक सेवा केन्द्र) के साथ शिविर लगाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही बैठक में प्रधानमंत्री आवास को लेकर वृहद चर्चा की गई। कलेक्टर द्वारा सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया है कि स्वीकृति हेतु लंबित सभी प्रकरण अगले सप्ताह तक पूर्ण कर लें। जिले में आवास पूर्णता में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। फील्ड विजिट एवं चौपाल लगाकर हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए प्रेरित करने की बात कलेक्टर द्वारा कही गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद पंचायत यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्राम पंचायत का कोई भी ग्रामीण जो पात्र है और पूर्व की सूचियों में नाम नहीं है उनका नाम इस सर्वे में समयसीमा के भीतर जुड़ जाए। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने बताया कि सर्वे के लिए कोई भी शुल्क नहीं है, कोई राशि की मांग करे तो जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर ''9244049285'' पर सम्पर्क कर सकते है।

बैठक में कुदरगढ महोत्सव की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें पूर्व बैठकों में दिये गये दिशा निर्देश व कार्यवाही विवरण की प्रगति के संबंध में अद्यतन जानकारी मांगी गई। इसके साथ ही महोत्सव के सफल संचालन नियुक्त किये गये अधिकारियों से उनको सौंपे गये दायित्वों की वस्तुस्थिति के संबंध में जानकारी ली गई व आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

बैठक में डीएफओ श्री पंकज कमल, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 19 मार्च 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बदलती हवा के साथ

अभी जबकि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। अभी पांच महीने नहीं हुए हैं, जब भारती एयरटेल कंपनी ने रिलायंस जियो के साथ साझा रुख लेते हुए भारत सरकार से कहा था कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए हो। यह मांग इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विपरीत थी, जो यह सरकारी फैसले से आवंटन चाहती है। इस बीच अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और उसमें मस्क को प्रमुख भूमिका मिलने से हवा का रुख बदल गया है। तो एयरटेल भारती को संभवत: महसूस हुआ कि स्पेसएक्स के भारत में प्रवेश को रोकना अब मुमकिन नहीं रहा। ऐसे में रुख बदल लेना उसने फायदेमंद समझा। और अब वह खुद भारत में स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा प्रदान करेगी। अभी जबकि स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। वैसे संभव है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने का लाइसेंस एक से ज्यादा कंपनियों को मिले। फिर भी 60 से ज्यादा देशों में यह सेवा दे रही स्पेसएक्स के साथ बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। इस रूप में रिलायंस ग्रुप के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। वैसे ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं पर ध्यान दें, रिलायंस के लिए चुनौती सिर्फ यही नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका से पेट्रोलियम की अधिक खरीदारी और अमेरिकी कंपनियों को भारत में 'समान धरातल' दिलवाने के लिए भी भारत पर दबाव बना रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न कारोबार में अमेजन एवं वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सीधी होड़ है। अब तक सरकारी नीतियों का संरक्षण उसे मिला हुआ है। लेकिन सूरत बदली, तो उससे भी उसके सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। भारती एयरटेल के रुख से साफ है कि भारत के बहुत-से कारोबारी 'मुकाबला नहीं कर सकते, तो पीछे लग चलो' की नीति पर चल रहे हैं। मगर उन कंपनियों के लिए ऐसा करना कठिन है, जिनकी भारतीय अर्थ-जगत के विभिन्न क्षेत्रों पर एकाधिकार जैसी हैसियत है और अब उन्हीं क्षेत्रों में अमेरिकी कंपनी भी प्रवेश करना चाहती है।

ट्रम्प के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुन: वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफकी दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफको बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अत: अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफलगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि टिट फोर टेट एवं रेसिप्रोकल आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टत: दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुन: वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफसम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंतत: इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफको बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफवसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफकी दर घटाई भी है। भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफकम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंतत: भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है। तीसरे, मेक इन इंडिया ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का सही जवाब है। आज भारत को सही अर्थों में आत्मनिर्भर भारत बनाए जाने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

आलेख

ट्रंप,नशे की लत!

शरुति व्यास

लोकलुभावनवादी नेताओं को अर्थशास्त्र की समझ नहीं होती। मगर अपने को क्योंकि सर्वज्ञ समझते है तो वे बढ़ा-चढ़ाकर बातें करने, गलत को सही साबित करने और अपना ढोल पीटने में माहिर होते हैं। उनकी नीतियों में दम नहीं होता मगर वे शब्दों का जाल बुनने, प्रोपेगेंडा करने और समाज में विभाजन पैदा करने में कुशल होते हैं। अफ़सोस, कि सारी दुनिया में ऐसे लोग सिंहासनों पर आसीन हो रहे हैं। दुनिया में अफरातफरी मची हुई है तो क्या? ये नेता, ये ईश्वर के अवतार तो हैं। वे कोई गलती कभी कर ही नहीं सकते! ये नेता खिझाने की हद तक राजनीति में माहिर होते हैं। लेकिन अर्थव्यवस्था का ककहरा उनके बूते के बाहर होता है। यह बहुत ही अजीब और भ्रमित करने वाला है क्योंकि ज्यादातर लोकलुभावनवादी नेता टैक्स को कम से कम करने और नियम-कानूनों की जटिलता को कम करने की बातें करते हैं। वे कहते कि वे व्यवसाय करना आसान बनाएंगे। मगर याद रखिये, लोकलुभावनवाद हर तरह के व्यापार को आसान नहीं बनाता। राजनीतिज्ञों की सनक के कारण उनका रवैया बदलता रहता है, इसलिए बड़े-बड़े व्यवसायी भी यह मान कर नहीं चल सकते कि उनकी कंपनियां पर सत्ता की कृपा दृष्टि बनी रहेगी। भारत पर ही नजर डालें। सत्ता अनुकूल तौर-तरीके अपनाकर अडानी और अंबानी ने दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की की। वही छोटे व्यापारी मोदीनामिक्स की वजह से तबाही के कगार पर हैं। नोटबंदी, जो मोदीनामिक्स का मास्टर स्ट्रोक था, के कारण अब भी मध्यम और निम्न मध्यमवर्गीय वर्ग मुसीबतों का सामना कर रहा है। पर्स रखने का प्रचलन बहुत कम हो गया है क्योंकि बाजार में नकदी का अभाव है। 50 रू. के छुट्टे करवाना तक मुश्किल हो गया है। यह चिंताजनक है कि भारत के नव-मध्यम वर्ग के लगभग एक-तिहाई लोग दुबारा गरीब की श्रेणी में पहुंच गए हैं। ओरबान के राज में हंगरी में कुछ कारपोरेट्स का संरक्षण दिया जा रहा है, लेकिन पूरे निजी क्षेत्र का राजनीतिकरण हो गया है। कुछ क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण हो गया है या उन पर शासन का एकाधिकार हो गया है। अर्थशास्त्रियों और उनके द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार लोकलुभावनवादी नेता विकास में रोड़ा होते हैं। 2021 में तीन अध्येताओं के एक अध्ययन में यह पाया गया कि व्यवसाय-समर्थक होने का दिखावा करने के बावजूद लोकलुभावनवादी नेता व्यापार-व्यवसाय के मामलों में राष्ट्रवादी होते हैं। लोकतंत्र की अध्येता याशा मोंक भी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि दक्षिणपंथी लोकलुभावनवादी नेता कुछ सालों तक तो शेयरों की बढ़ती कीमतों और निवेशकों के आत्मविश्वास का मजा लेते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है उनके द्वारा कानून के राज को हानि पहुंचाने, व्यक्ति-केन्द्रित नीतियों और विशेषज्ञों को हाशिए पर रख देने का नकारात्मक प्रभाव बढ़ता जाता है। पांच से लेकर दस साल के अंदर इन देशों में शेयर बाजार में तेज गिरावट, आर्थिक संकट और तीव्र मुद्रास्फीति जैसे हालात बनने की संभावना, उन देशों की तुलना में अधिक होती है जहां सत्ता लोकलुभावनवादी नेताओं के हाथ में नहीं होती। मोटे तौर पर शोधकर्ता हमें यह बताते हैं कि लोकलुभावनवादी नेताओं के सत्ता में होने पर 15 साल के बाद प्रति व्यक्ति जीडीपी और जीवनस्तर पर लगभग 10 प्रतिशत का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है क्योंकि अर्थव्यवस्था अंतर्मुखी हो जाती है, संस्थानों को कमजोर कर दिया जाता है और मेक्रोइकोनोमिक नीतियों के संबंध में जोखिम लिया जाता है। और जब लोकलुभावनवादी नेता अमेरिका जैसे विकसित, शक्तिशाली और वैश्विक व्यवस्था को हिला देने की क्षमता रखने वाले देश में सत्ता पर काबिज होते रहते हैं तो आर्थिक विनाश का खतरा नजर आने लगता है। आर्थिक मामलों में ट्रम्प की मनमानी और दादागिरी से न सिर्फ अमेरिका बल्कि सारी दुनिया में विकास पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। सत्ता में आने के कुछ सप्ताहों के अंदर ही ट्रंप बाजारों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा चुके हैं और अमरीकी अर्थव्यवस्था पर भी इसका दुष्प्रभाव बढ़ता जा रहा है। 'मुद्रास्फीति जनित मंदी' शब्द एक बार फिर आम संवाद का हिस्सा बन गया है क्योंकि आयात शुल्क के चलते ट्रेड वॉर भड़क गया है जिससे शेयर बाजार झटके खा रहा है। एक ठेठ लोकलुभावनवादी की तरह, ट्रंप इसका दोष तथाकथित वैश्विकतावादियों पर मढ़ रहे हैं। लोकलुभावनवादी रणनीतियों में वैश्विकरण की निंदा करना और जार्ज सोरोस पर ऊंगली उठाना शामिल है, जैसा कि ट्रंप ने किया। या जिस तरह ओरबान लगातार यह इशारा करते हैं कि सोरोस अवांछित प्रवासियों को धन मुहैया करा रहे हैं।

नाम चमकाने रोहित शर्मा पर टिप्पणी

अजीत द्विवेदी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बहस छिड़ी है। निकट अतीत में शायद ही कोई ऐसा खिलाड़ी होगा, जिसको लेकर इतनी बार बहस और विवाद हुए होंगे। अभी ज्यादा समय नहीं बीता, जब उनको मुंबई की आईपीएल क्रिकेट टीम के कप्तान से हटाने पर विवाद हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान रहते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से बाहर किए जाने का विवाद भी पुराना नहीं है। टी20 से संन्यास लेने पर भी विवाद हुआ, जो अब तक चल रहा है। परंतु दूसरी ओर रोहित शर्मा इस देश के लोगों का सबसे ज्यादा प्यार और समर्थन पाने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। लोग उनकी बैटिंग के दिवाने हैं तो फील्ड में उनकी मौजूदगी, उनके हावभाव, कप्तानी करने का तरीका भी लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला देता है। इस बार वे एक अलग किस्म की बहस में घिरे हैं। कांग्रेस पार्टी की एक अनजान सी प्रवक्ता ने अपना नाम चमकाने के लिए रोहित शर्मा पर टिप्पणी की। शमा मोहम्मद नाम की इस प्रवक्ता ने कहा कि रोहित मोटे हैं और भारत के सबसे असफल कप्तानों में से एक हैं। सोशल मीडिया में की गई उनकी टिप्पणी को लेकर देश, समाज, राजनीति और मीडिया बंटे हुए हैं। हालांकि क्रिकेट बिरादरी में इस पर एक राय है कि यह बेहूद बयान है, जिसके पीछे कोई तर्क या तथ्य नहीं है। बाकी देश, राजनीति, समाज और मीडिया खास कर सोशल मीडिया में जो बहस और वैचारिक विभाजन है वह इस बयान की गुणवत्ता पर नहीं है। वहां बहस मोटे तौर पर राजनीतिक, जातीय और सांप्रदायिक हो गई है। एक बड़ा वर्ग शमा मोहम्मद के पक्ष में यह कह कर खड़ा हुआ है कि रोहित शर्मा ब्राह्मण हैं और शमा मोहम्मद मुस्लिम हैं इसलिए ब्राह्मणवादी व सांप्रदायिक मीडिया इस पर आपत्ति कर रहा है, अन्यथा इस बयान में कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने अपनी प्रवक्ता का पोस्ट डिलीट करा दिया है लेकिन उसकी प्रवक्ता का समर्थन करने वाला वर्ग वही है, जो राहुल गांधी के जाति नैरेटिव का समर्थन करता है और मीडिया से लेकर नौकरशाही और यहां तक की मिस इंडिया में भी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व खोजता है। दूसरी ओर रोहित का समर्थन करने वाला एक बड़ा वर्ग उनके पक्ष में आंकड़े और तर्क पेश कर रहा है लेकिन एक वर्ग निश्चित रूप से ऐसा है, जो मुस्लिम और पाकिस्तान का मुद्दा इसमें घुसा रहा है। हकीकत यह है कि रोहित शर्मा को इन दोनों में से किसी के प्रमाणपत्र की जरुरत नहीं है। भारत ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक सुनील गावसकर ने क्रिकेटिंग लॉजिक्स के हिसाब से रोहित शर्मा का पक्ष रखा है और कांग्रेस प्रवक्ता के बयान को गैरजरूरी और गलत बताया है। असल में कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने बयान जिस मकसद से दिया था उनका वह मकसद पूरा हो गया है। देश भर के लोग उनका नाम जान गए हैं। उनके नाम पर बहस हो रही है। (उनके मुस्लिम होने भर से उनके बयान के गुणदोष में गए बिना भाजपा विरोधी इकोसिस्टम उनका समर्थन और बचाव कर रहा है। यह स्थापित किया जा रहा है कि मुस्लिम होने की वजह से उनको निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? और जो उन्होंने कहा है क्या उसकी पड़ताल नहीं होनी चाहिए? उन्होंने जो कहा है और जो लोग भी उनका बचाव कर रहे हैं, उन सबको इस बयान के असली मकसद के बारे में जानना चाहिए और यह भी जानना चाहिए कि तथ्यात्मक रूप से यह कितना गलत है। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह बयान सिर्फ लाइमलाइट में आने के लिए दिया यह मानने का आधार यह तथ्य है कि इससे पहले क्रिकेट पर उन्होंने कोई सोशल मीडिया पोस्ट नहीं डाली है। उनके एक्स हैंडल पर कई महीनों में कोई पोस्ट क्रिकेट या किसी खिलाड़ी को लेकर नहीं आई है, जबकि इस दौरान खूब क्रिकेट खेली गई है। विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया पर भारत की जीत की बधाई उन्होंने जरूर दी है लेकिन उससे पहले इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान या न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत पर उनकी कोई पोस्ट नहीं है। अगर वे क्रिकेट की प्रशंसक होतीं और क्रिकेट से जुड़े पोस्ट डाल रही होतीं तो उनकी इस पोस्ट पर कोई सवाल नहीं उठता। चूंकि यह एक रैंडम पोस्ट है। इसलिए जाहिर है कि ध्यान खींचने के लिए यह लिखा गया। अब रही बात रोहित शर्मा के मोटे होने की तो यह एक तथ्य है, जिससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। इसके बावजूद रोहित शर्मा टीम में चुने जाने के लिए सारे जरूरी फिटनेस टेस्ट पास करते हैं तभी उनको चुना जाता है। इन दिनों चयन समिति के पास नाम जाने से पहले सभी खिलाड़ियों को मुश्किल फिटनेस टेस्ट से गुजरना होता है। वे टीम में चुने जा रहे हैं इसका मतलब है कि फिटनेस टेस्ट पास कर रहे हैं। इसलिए उनके वजन या उनकी शारीरिक संरचना पर सवाल उठाना ठीक नहीं होगा। यह एक तरह से उनकी शारीरिक संरचना का जिक्र करके उनका मजाक उड़ाना या उनका अपमान करना है। इसी तरह की शारीरिक संरचना वाले सरफराज खान या कुलदीप यादव या मोहम्मद समी जैसे कई खिलाड़ी भारतीय टीम में हैं। कई सर्वकालिक महान खिलाड़ी इसी शारीरिक संरचना वाले रहे हैं। श्रीलंका को विश्व कप जिताने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले अर्जुन रणातुंगा और अरविंद डिसिल्वा या पाकिस्तान को विश्व कप जिताने में बड़ी भूमिका निभाने वाले इंजामामुल हक और जावेद मियांदाद को जिसने खेलते देखा है वह रोहित शर्मा के बारे में ऐसी बातें नहीं कर सकता है। शेन वॉर्न और उनसे पहले डेविड बून, मैथ्यू हेडन, ग्राहम गूच, एलन बॉर्डर तक सैकड़ों खिलाड़ियों की मिसाल दी जा सकती है, जो शमा मोहम्मद के मोटापे की परिभाषा के दायरे में आते हैं। लेकिन सबने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा मुकाम बनाया, जैसा कि रोहित शर्मा ने बनाया है। क्रिकेट कौशल का खेल है इसलिए खिलाड़ियों को उस कसौटी पर कसना चाहिए।

आर्थिकी के जरिए नेतृत्व स्थापित करने की कोशिश

उमेश चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में मध्य प्रदेश सरकार को कुल 26 लाख 61 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले, जिनमें से देश के दूसरे नंबर के बड़े कारोबारी और उद्योपति समूह अडानी की ओर से अकेले दो लाख दस हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला। रीगन-थैचर थ्योरी वाली अर्थव्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो गई है। राजकाज में अर्थव्यवस्था का महत्व हमेशा से रहा है, लेकिन उदारीकरण के दौर में अर्थव्यवस्था राजनीति का केंद्रीय विषय बन गया है। ऐसे माहौल में राजनीतिक कामयाबी की शर्त के लिए बेहतर आर्थिकी ना होती तो ही हैरत होती। शायद यही वजह है कि अब राजनीति चाहे किसी भी विचारधारा वाली क्यों न हो, सत्ता में आने के बाद उसकी प्राथमिकता आर्थिकी को सुधारने और अपने लिए ज्यादा से ज्यादा निवेश हासिल करना हो गई है। इस दौर में जितना ज्यादा निवेश आकर्षित हुआ, राजनीतिक कामयाबी की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने नेतृत्व को राज्य में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। साल 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने मध्य प्रदेश की कमान मोहन यादव को जब सौंपी थी, तब उनकी पहचान राज्य से बाहर कम ही थी। जनसंख्या के लिहाज से पांचवां और क्षेत्रफल के लिहाज से दूसरे बड़े राज्य मध्य प्रदेश की बीजेपी में दिग्गज नेताओं की भरमार थी। बेशक मोहन यादव मुख्यमंत्री बनने से पहले शिवराज सरकार में शिक्षा मंत्री के रूप में काम कर रहे थे, लेकिन राज्य के बाहर उनकी बड़ी पहचान नहीं थी। लेकिन बीते 25 और 26 फरवरी को राज्य की राजधानी भोपाल में सफल ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के आयोजन और उसमें मिले भारी-भरकम निवेश प्रस्तावों के बाद उनका कद बढ़ना स्वाभाविक है। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में मध्य प्रदेश सरकार को कुल 26 लाख 61 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले, जिनमें से देश के दूसरे नंबर के बड़े कारोबारी और उद्योपति समूह अडानी की ओर से अकेले दो लाख दस हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला। मध्य प्रदेश जैसे बहुरंगी राज्य में भारीभरकम निवेश का प्रस्ताव आना स्वाभाविक भी है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के पहले संभाग स्तर पर भी मध्य प्रदेश सरकार निवेशकों को आमंत्रित करती रही। उसमें भी उसे करीब चार लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले। अगर से प्रस्ताव पूरी तरह से शत-प्रतिशत अंदाज में लागू हुए तो उम्मीद की जा रही है कि इससे राज्य में सीधे तौर 17 लाख 34 हजार रोजगार पैदा होंगे, जबकि उससे जुड़ी गतिविधियों से राज्य की अर्थव्यवस्था को और गति मिलेगी और दूसरे छोटे कारोबार भी बढ़ेंगे, जिनसे आखिरकार दूसरे तरह के रोजगार भी बढ़ेंगे। मध्य प्रदेश में पिछले दस साल के निवेश प्रस्तावों के कार्यान्वयन के आंकड़ों को देखें तो पहले पांच साल में प्रस्तावों के दस प्रतिशत निवेश का ही जमीनी क्रियान्वयन हो पाया है। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शर्मा बीते पांच सालों के निवेश प्रस्तावों का अध्ययन किया है। उनके मुताबिक, तब भी मध्य प्रदेश की सरकारें निवेश प्रस्तावों के लिए प्रयासरत रहीं और तब जितने निवेश प्रस्ताव मिले, उनमें से करीब चौदह से सोलह प्रतिशत सालाना ही जमीनी हकीकत बन पाए। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में यह सवाल मध्य प्रदेश के मुख्यसचिव अनुराग जैन के सामने उठा भी। अनुराग जैन के अनुसार, यह मसला राज्य सरकार की जानकारी में भी है। इसलिए जिलावार ऐसे प्रस्तावों को साप्ताहिक स्तर पर समीक्षा करने और उसे जमीनी हकीकत बनाने की तैयारी की गई है। जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके जिले के लिए जो भी प्रस्ताव आए हैं, उन्हें जमीनी हकीकत बनाने, निवेशकों को जरूरी वैधानिक जरूरतों को पूरा करने की कोशिश उनके स्तर पर ही होनी चाहिए। मध्य प्रदेश के मुख्यसचिव के स्तर पर निवेश प्रस्तावों पर मासिक रूप से समीक्षा की जाएगी। आधुनिक आर्थिकी का फॉर्मूला है कि अगर एक रूपया कारोबारी अर्थव्यवस्था में डाला जाता है तो वह चार रूपए की आर्थिकी में तबदील होता है और वही रूपया अगर खेती-किसानी में जाता है तो खेती-किसानी की आर्थिकी में वह साढ़े तीन गुना की आर्थिकी बनाता है। मध्य प्रदेश के निवेश प्रस्तावों को इस फॉर्मूले के नजरिए से भी बेहद उम्मीद से देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश पिछले एक दशक से बड़े राज्यों में तेजी से विकसित होने वाला राज्य है। छोटे राज्यों में यह हैसियत सिक्किम को हासिल है। मध्य प्रदेश को सबसे ज्यादा करीब आठ लाख 616 हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव औद्योगिक नीति और निवेश विभाग को मिले हैं, जबकि दूसरे स्थान पर करीब पांच लाख 72 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव नवीकरण ऊर्जा के क्षेत्र के लिए मिले हैं। मध्य प्रदेश की जैसी स्थिति है, उसकी वजह से अगर ये निवेश प्रस्ताव जमीनी हकीकत बने तो आने वाले दिनों में यह राज्य नवीन ऊर्जा का केंद्र बन जाएगा। निवेश प्रस्तावों की चर्चा करते वक्त हमें पिछली सदी के आखिरी वर्षों को भी याद कर लेना चाहिए। जब केंद्र में वाजपेयी सरकार थी तो उसने उदारीकरण के अगले चरण की शुरूआत की थी।

जिनका मन साफ होता है, उनका जीवन आईने की तरह होता है : श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। श्री विशुद्धकुल गौरव,आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज इंदोर में विराजमान है। मुनीत्रय की चरण धूलि से पावन हो रही है, इंदोर की वसुधा। नित्यम आदित्यम आनंदम।

श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने कहा की, जिनका मन साफ होता है,उनका जीवन आईने की तरह होता है। जिनके मन में चोर होता है,उनका जीवन काजल की डिब्बी की तरह होता हैं। सही बात है- चीजों को टालना, बातों को छुपाना और घुमाना खोटे मन की पहचान है।

न कोई इंसान अच्छा होता है, न ही बुरा होता है। इसलिये हर इंसान को बुरा ही न मानें। बुरे इंसान में भी एक-दो गुण तो रहते ही हैं। हमारी सोच, हमारे नजरिये पर आश्रित है। सही बात है- बुरे इंसान को नकारने की अपेक्षा उसे बदलने का काम करें।

जब आपके निमित्त से दुसरों को लाभ हो तो उसे अपना सौभाग्य मानें, न कि एहसान। दुसरों का भला करने से ही आपका भला होगा। सही बात है- पानी और जीवन में आप जैसा रंग डालते है, पानी और जीवन वैसा होता जाता है।

हर अच्छा काम पहले असंभव नजर आता है। मगर पुरुषार्थ और युक्ति से हर काम को सरलता से संभव किया जा सकता है। सही बात है-पुण्य, बुद्धी, सहयोग और परिश्रम से हर काम साधा जा सकता है। चार वेदों को नहीं जाना तो कोई हानि नहीं है, मगर समझदारी, वफादारी, जबाबदारी और ईमानदारी, इन चार शब्दों को नहीं जाना तो हानि ही हानि है। सही बात है- जीवन सार्थक करने के लिये ज्ञान को आचरण में लाना जरुरी है।

-अभिषेक अशोक पाटील

आप लोग के आनंद उत्साह को देखकर हम भी आनंदित हो रहे हैं : मुनिश्री पूज्य सागर जी

सिद्धचक्र महामंडल विधान में हुआ एक हजार अर्घ्यो का समर्पण, मुनिश्री ने गुणायतन बनाकर हजार वर्ष के लिए संस्कृति को सुरक्षित की : विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। आप लोगों के आनंद उत्साह को देखकर हम भी आनंदित हो रहे हैं एक व्यक्ति नृत्य कर रहा है ऐसा नृत्य कर रहा है कि उसके पैर धरती पर नहीं टिक रहे उसके नृत्य को देख कर सभी आश्चर्यचकित हो जय जय कार करने लगते हैं बह और कोई नहीं सौर्धम इन्द्र था जव तीर्थंकर वालक का जन्म होता है और उन तीर्थंकर प्रभु के बाल स्वरूप को देख कर सौ धर्म इतना हर्षित होता है कि वह अपने हजार नेत्र बनकर उस बाल स्वरूप को निहार ने में डूब कर तांडव नृत्य करने लगता है भगवान के बाल स्वरूप की इतनी महिमा है तो साक्षात् समवशरण में कैसी भक्ति होती होगी उसको आप समझे और अपने अंदर प्रकट करें ऐसी भक्ति ही भव भव का वंधन काटने वाली है उक्त आशय के उद्गार सम्मेद शिखर जी में सिद्धचक्र महा मंडल विधान के दौरान मुनिश्री पूज्य सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनिश्रीप्रामण सागरजी महाराज बुंदेलखंड छोड़ कर झारखंड पधारे तो प्रेरणा से सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी में पाषाण से निर्मित एक ऐसी भव्य रचना कराई जिसे सारा जगत गुणायतन तीर्थ के रूप में जान रहा है जो हजारों वर्षो तक भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखेंगे हमें कमेटी ने ट्रस्टी वनने का सौभाग्य प्रादान किया है हम संरक्षक वनकर सूत्रधार बनकर तीर्थ की सेवा का सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं इस दौरान श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान के पुण्यर्जक परिवार श्री मति किरण डॉ डी के जैन श्रीमति अंकिता अंचल जैन श्रीमति राज विनोद कुमार राजू मेडिकल परिवार श्री मति रचना मनोज रन्नौद संयोजक पार्श्वनाथ मन्दिर अशोक नगर शिवपुरी जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गोटू धर्मेन्द्र कुमार सचिन कुमार विधायक देवेन्द्र कुमार जैन गुणायतन तीर्थ शिखर जी के संरक्षक बनने का सौभाग्य प्राप्त जिनका सम्मान गुणायतन ट्रस्ट कमेटी द्वारा किया गया।

महा मंडल पर किया एक हजार अर्घ्यो का भक्ति भाव से समर्पण : सिद्धो की महा आराधना के दौरान परम पूज्य मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज मुनिश्री अतुल सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य संजीवभइया विक्की भइया सौरव भइया अशोक भइया के मंत्रो के बीच में सौधर्म इन्द्र श्री मति डॉ डी के जैन श्रीपाल मैना सुंदरी श्री मति अंकिता अंचल जैन महायज्ञ नायक श्री मति अंसू नेरश कुमार फीरोजाबाद कुबेर परिवार श्री जितेन्द्र जैन गोटू धर्मेन्द्र कुमार सचिन कुमार सहित सभी प्रमुख पात्रों एवं महा महोत्सव के सभी इन्द्र इन्द्रियों द्वारा मंडल पर श्री फल समर्पित किया गये। पैसा आप नहीं आपका पुण्य ला रहा है।

इस दौरान मुनिश्री ने कहा कि पैसा तो पुण्य से आता है डोली बाला भी मेहनत कर रहा है और सीट पर बैठे सेठ जी भी काम कर रहे हैं लेकिन मेहनत मजदूर अधिक कर रहा उसे सेठजी की अपेक्षा कुछ भी नहीं मिल रहा तो समझें पैसा आप नहीं आपका पुण्य ला रहा है अच्छे कार्य में पैसा उसी का लगता है जिसने पुण्य का उदय होता है पुण्य कमाकर आगे आने वाला समय को भी सुधारता चला जाता है और एक दिन मुक्ति रमा को प्राप्त करेगा उन्होंने कहाकि भक्ति का प्राभाव भावनाओं में झलकता है आप लोगों की भावना और भक्ति देखकर ऐसा लग रहा है कि बहुत पहले से इस महोत्सव के लिए आप लोगों ने तैयारियां की होगी इसी का परिणाम है कि इतना बड़ा आयोजन बहुत ही व्यवस्थित ढंग से चल रहा है जिनेन्द्र भगवान की भक्ति हमें शक्ति देती है। **-विजय धुर्रा**

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का बुधवार की मंगल बेला में रामगंज मंडी में होगा भव्य मंगल प्रवेश

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। परम पूज्य तपोभूमि प्रणेता पर्यावरण संरक्षक आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर महाराज का संघ सहित रामगंज मंडी नगर में बुधवार की प्रात: बेला में मंगल आगमन होगा। आचार्य श्री का संघ सहित बुधवार की प्रात: बेला में मोड़क से रामगंज मंडी हेतु मंगल विहार होगा। नगर की सीमा पर प्रवेश होने पर थाना चौराहा पर आचार्य श्री की समाज बंधुओ द्वारा मंगल आगवानी की जाएगी। उन्हें बैंड बाजा के साथ श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया जाएगा जहां आचार्य श्री संघ सहित शांतिनाथ भगवान के दर्शन करेंगे दर्शन उपरांत आचार्य श्री धर्म सभा को भी संबोधित करेंगे।

इससे पूर्व मंगलवार की संध्या बेला में रामगंजमंडी समाज की ओर से संरक्षक अजीत सेठी, अध्यक्ष दिलीप विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़िया, प्रकाश विनायका, रमेश विनायका, सुदेश रावका, नितिन जैन सबदरा अभिषेक लुहाड़िया आदि ने मोड़क ग्राम पहुंचकर आचार्य श्री के चरणों में समाज की ओर से श्रीफल भेंट कर रामगंज मंडी आगमन हेतु निवेदन किया एवं गुरुदेव ने रामगंज मंडी नगर को स्वीकृति प्रदान करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इससे पूर्व आचार्य श्री का मंगल आगमन नगर में 25 दिसंबर 2024 को हुआ था। मंगलवार की प्रात: बेला में आचार्य श्री का कोटा से मंगल विहार करते हुए मोड़क ग्राम में मंगल आगमन हुआ एवम मांगलिक भवन का लोकार्पण भी आचार्य श्री के सानिध्य में भक्ति उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार की संध्या बेला में मांगलिक भवन में ही आचार्य श्री के सानिध्य में आनंद यात्रा संपन्न हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर त्वरित सहायता

आरबीसी 6-4 के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मंजूर की मुआवजा राशि

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन ने आपदा और दुर्घटनाओं के मामलों में तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित की है। आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर प्रभावित परिवारों को समय से पहले सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में, जिले में हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में जान गंवाने वाले चार नागरिकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

बीरगांव निवासी जानकी वर्मा, ग्राम गोमची, धरसींवा के श्रेयांश सिदार, ग्राम गनौद, मंदिर हसौद के प्रवीण यादव (पानी में डूबने से मृत्यु) और ग्राम उल्बा, अभनपुर की ममता बाई (सर्पदंश से मृत्यु) के परिजनों को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर मुआवजा राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। राज्य सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत पहुंचाने की इस पहल से संकटग्रस्त परिजनों को आर्थिक संबल मिलेगा।

आरंग निवासी भागवत सोनवानी की समस्या का त्वरित समाधान : ग्राम भटिया, ब्लॉक आरंग निवासी भागवत सोनवानी को जन्म प्रमाण पत्र और निवासी प्रमाण पत्र आवश्यक दस्तावेज पूरे होने के बावजूद उन्हें प्रमाण पत्र समय पर नहीं मिल पा रहे थे। जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर ने उनकी शिकायत को प्राथमिकता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही दिनों में समस्या का समाधान कर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा परिसर में तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। विधान सभा परिसर स्थित ऐलोपैथिक चिकित्सालय में आज विधान सभा के सदस्यों के लिए आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शुभारंभ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप एवं लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया।

इस अवसर पर मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायकगण, विधान सभा सचिव श्री दिनेश शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया भी उपस्थित थे। यह शिविर दिनांक 18 से 20 मार्च तक रहेगा। इस शिविर में पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के विभिन्न विशेषज्ञ एवं चिकित्सक पूर्वान्ह: 11.00 बजे से अपरान्ह् 5.00 बजे के मध्य विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा मंत्री, श्री श्याम बिहारी जायसवाल का स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विधान सभा परिसर में बजट सत्र के दौरान समस्त मान. सदस्यों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में ई.सी.जी., एक्सरे, सोनोग्राफी एवं पैथोलॉजी टेस्ट के साथ दन्त, ऑख, नाक, गला, संबंधी विभिन्न विशेषज्ञ/ चिकित्सक उपस्थित रहकर विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विभागों के लिए 21,277 करोड़ 28 लाख से अधिक की अनुदान मांगें पारित

वित्तीय वर्ष 2025-26 में पीएम आवास के लिए 8500 करोड़ रूपए का प्रावधान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज पुलिस, गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय सहायता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 21,277 करोड़ 28 लाख रूपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित की गई। इसमें पुलिस विभाग से संबंधित व्यय के लिए 8237 करोड़ 13 लाख 16 हजार रूपए, गृह विभाग से संबंधित व्यय के लिए 141 करोड़ 64 लाख 25 हजार रूपए, जेल विभाग के लिए 278 करोड़ 99 लाख 90 हजार रूपए, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 8055 करोड़ 65 लाख 97 हजार, त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के वित्तीय सहायता के लिए 4025 करोड़ 76 लाख 69 हजार रूपए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए 64 करोड़ रूपए तथा तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के लिए 474 करोड़ 8 लाख 4 हजार रूपए की अनुदान मांगे पारित की गई।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सदन में बताया कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए एक-एक गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर आवासविहीन परिवारों को छत देने का सपना को साकार करने का काम रही है। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत राज्य के 18 लाख गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए पहली कैबिनेट बैठक में ही स्वीकृति प्रदान कर इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना हमारे सरकार के लिए केवल ईंट और गारे से बने घरों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह लाखों जरूरतमंदों के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि भारत सरकार हमारी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए 11 लाख 50 हजार नऐ मकानों की मंजूरी दी, इसके लिए 8 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया, अब तक 7 लाख 69 हजार मकानों की स्वीकृति दी जा चुकी है और निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है।

समय-सीमा बैठक : कलेक्टर गौरव सिंह ने दिए पेंशन प्रकरण समय सीमा में पूरे करने के सख्त निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के लंबित मामलों की समीक्षा की और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में अतिक्रमण हटाने, अवैध खनन, अवैध परिवहन, शराब से जुड़ी शिकायतों, पेंशन प्रकरण, डिजिटल फसल सर्वेक्षण और स्वच्छता अभियान समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में अवैध गतिविधियों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई। अब तक कितने अतिक्रमण हटाए गए और अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं शराब से संबंधित शिकायतों पर क्या कदम उठाए गए, इसकी विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इन मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शासकीय वाहनों में हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने का आदेश जारी किया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी शासकीय गाड़ियों में हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगनी चाहिए, ताकि सरकारी वाहनों की पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जाति प्रमाण पत्र सत्यापन एवं जारी करने की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों से अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस दौरान उन्होंने जाति प्रमाण पत्र से संबंधित लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने पर जोर दिया। पेंशन प्रकरणों में देरी को लेकर सीईओ, जनपद अभनपुर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पेंशन प्रकरण समय-सीमा के भीतर निपटाए जाएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह योजना किसानों के हित में है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की देरी न हो।

राज्यपाल रमेन डेका ने ली जांजगीर-चांपा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने दो दिवसीय जांजगीर-चांपा प्रवास के दौरान आज जिले के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री सी आर प्रसन्ना, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला सहित जिले के प्रशासनिक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जिले में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन, जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यों एवं अभियान के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिले में पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से प्रकृति का संतुलन बनाए रखने, जल संचयन को बढ़ाने, पर्यटन को बढ़ावा देने, टीबी उन्मूलन, जैविक खेती, रेडक्रास, स्वच्छ भारत मिशन, असहाय, परित्यक्ता एवं वृद्धजनो की सहायता करने, सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु प्रभावी कदम उठाने, मादक पदार्थों के परिवहन, विक्रय, भंडारण को प्रतिबंधित करने जैसे अन्य विषयों का धरातल पर उचित क्रियान्वयन करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि जिले का कोसा शिल्प प्रसिद्ध है इसे और अधिक पहचान देने के लिए कोसा वस्त्रों में नई तकनीक व डिजाइन को बढ़ावा दिया जाए जिससे देश-विदेश के लोग खासकर युवा वर्ग कोसा वस्त्रों के प्रति आकर्षित हो और इसके व्यापार को बढ़ावा मिले।

एनआईटी रायपुर में हुआ एडवांस्ड टॉपिकस इन फिनटेक सिक्योरिटी पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग और आईआईटी भिलाई के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त सहयोग से एडवांस्ड टॉपिकस इन फिनटेक सिक्योरिटी पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन 17 मार्च 2025 को हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के द्वारा प्रायोजित है और इसका उद्देश्य शिक्षकों और शोधकर्ताओं को फिनटेक सिक्योरिटी के क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान से अवगत कराना है।

इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव शामिल हुए, साथ ही विशिष्ट अतिथियों में आईआईटी भिलाई के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष विश्वास और एनआईटी रायपुर के डीन एकेडमिक्स प्रो. श्रीश वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआईटी रायपुर के इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. संजय कुमार ने की। इस कार्यक्रम के समन्वयक एनआईटी रायपुर से डॉ. राकेश त्रिपाठी, डॉ. चंद्रशेखर जटोथ और आईआईटी भिलाई से डॉ सौरदयुति पॉल हैं।

इस उद्घाटन समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुई। अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने फिनटेक सुरक्षा को एक गंभीर विषय बताते हुए कहा कि आज के समय में साइबर हमले बहुत आम हो गए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में नवाचार की निरंतर आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए आईआईटी भिलाई के सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। डॉ. राकेश त्रिपाठी ने फिनटेक सिक्योरिटी पर जानकारी देते हुए बताया कि यह वित्तीय सेवाओं को अधिक स्वचालित और उन्नत बनाने में सहायक है। उन्होंने इस फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के दौरान विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद जताई।

इसके बाद, डॉ. संजय कुमार ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का स्वागत किया और इस पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में क्रिप्टोकरेंसी, वेब सुरक्षा और सस्टेनेबल फिनटेक जैसे विषयों पर चर्चा की बात कही। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि इस प्रोग्राम से प्रतिभागियों को केवल सैद्धांतिक ही नहीं बल्कि व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त होगा। डॉ. श्रीश वर्मा ने इंटरनेट के प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि डिजिटल युग में आपसी संवाद कम हो गया है और अब लोग मशीनों के माध्यम से अधिक संवाद करने लगे हैं, जिससे डेटा सुरक्षा की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो गई है। डॉ. संतोष विश्वास ने बताया कि आने वाले वर्षों में हम इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की दुनिया में प्रवेश करेंगे, जहाँ हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश उपकरण इंटरनेट से जुड़े होंगे। ऐसे में इन उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक होगा।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने तकनीकी अधिकारियों को दिया जा रहा है तीन दिवसीय प्रशिक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नॉन-डिस्टैक्टिव टेस्ट (ह्छ्ठ्ञ) उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिससे संरचनाओं की मजबूती और विश्वसनीयता की जांच बिना किसी नुकसान के की जा सकती है। इन्हीं अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी और उपकरणों के संचालन में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन के अधिकारियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 17 मार्च से नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन के प्रथम तल पर स्थित मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) में दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 19 मार्च तक चलेगा। मुख्य तकनीकी परीक्षक श्री आर. पुराम ने बताया कि संगठन द्वारा लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य निर्माण कार्यों से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता एवं भौतिक प्रगति की जांच कर सामान्य प्रशासन विभाग को प्रतिवेदन प्रेषित किया जाता है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 19 मार्च 2025

संक्षिप्त समाचार

आपसी रंजिश पर युवक की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। आपसी रंजिश को लेकर हत्या करने वाले आरोपी को थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में हत्या की धारा 103 (1) भा.न्या.सं.के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार दिनाँक 16.03.25 के रात्रि करीबन 9 बजे प्रार्थी तरूण साहू अपने घर पर बैठा था उसी समय भटगांव चौक धमतरी का निवासी शैलेन्द्र साहू ने फोन कर बताया की तुम्हारे छोटे भाई टिकेश्वर साहू को इन्द्रजीत साहू ने अपने पास रखे चाकू से कई जगह मारकर चोट पहुँचाकर घायल कर दिया है,तभी प्रार्थी तुरंत भटगांव चौक धमतरी पहुँचकर देखा तो प्रार्थी के भाई के गर्दन, छाती, पीठ, पैर, हाथ एवं अन्य जगहो में चाकू के मारने का निशान था। जिससे खुन बह रहा था जिसे ईलाज के लिए आस पास के लोगो के सहयोग से श्रीराम अस्पताल धमतरी ले गये जहाँ पर डॉक्टर द्वारा टिकेश्वर साहू की मृत्यु होना बताया। मृतक के बड़े भाई तरूण साहू ने बताया की दिनाँक शनिवार को शाम को मेरा छोटा भाई टिकेश्वर साहू अपने दोस्तो के साथ होली खेलकर जीत्तू पान ठेला के पास पहुँचा था उसी इन्द्रजीत साहू बीच रास्ते में मोटर सायकल को रोककर टिकेश्वर साहू को अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दिया था कि उसी बात को लेकर रविवार को को इन्द्रजीत साहू द्वारा भटगांव चौक गोकुलपुर धमतरी के पास लड़ाई झगड़ा कर टिकेश्वर को जान से मारने की नियत से अपने पास रखे धारदार चाकू से मेरे भाई के शरीर के गर्दन, छाती, पीठ, पैर, हाथ एवं अन्य कई जगहो में प्राणघातक हमला कर हत्या किया है। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना में लिया गया। और विवेचना के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी तरूण साहू एवं गवाहों से पूछताछ कर आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर घटना करना स्वीकार किया। आरोपी द्वारा बताये गये स्थान पर प्रयुक्त चाकू, मोबाईल एवं पहने कपड़े को गवाहों के समक्ष जप्त कर थाना सिटी कोतवाली में धारा 103 (1) भा.न्या.सं.के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी इन्द्रजीत साहू को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

अलग -अलग स्थनों से चाकू लहराते दो बदमाश गिरफ्तार

धमतरी। शहर के गोल बाजार एवं गौरव पथ में धारदार चाकू लहराकर आम लोगों को डरा धमका रहे दो आरोपियों को धमतरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में दोनों आरोपियों के विरूद्ध कोतवाली में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिटी कोतवाली पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था तभी मुखबिर से सुचना मिली कि गोलबाजार धमतरी के पास उदय सिंग नेताम नाम का व्यक्ति अपने हाथ में एक धारदार चाकू को लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा की सूचना पर तत्काल कोतवाली पुलिस टीम गोलबाजार पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चाकू बरामद किया। पुछताछ में आरोपी ने अपना नाम उदय सिंह नेताम पिता स्वर्गीय फूल सिंह नेताम उम्र 38 वर्ष जालमपुर गौरा चौरा के पास धमतरी का रहने वाला बताया। ऐसे ही एक दूसरे मामले मे सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस ने पोस्ट ऑफिस वार्ड,गौरव पथ के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चाकू बरामद किया है। पुछताछ में युवक ने अपना नाम भोला साहू पिता टेमो राम साहू उम्र 19 वर्ष निवासी श्रीराम जालमपुर धमतरी के पास धमतरी का रहने वाला बताया।

बस्तर पंडुम : तीन दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

जनजातीय नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति के साथ जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण का हुआ प्रदर्शन

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। बस्तर पंडुम'' अंतर्गत आज विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। जनपद पंचायत कोंडागांव के स्थानीय ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों की उपस्थिति रही। तीन दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक जनजातीय नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके साथ ही जनजातीय वेशभूषा और आभूषणों की विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में 23 दलों की पारंपरिक एवं जनजातीय लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अंतर्गत लोक कलाकारों ने मादरी नृत्य, गेड़ी नृत्य, गौर नृत्य सहित विभिन्न लोकनृत्यों की प्रस्तुती दी। जनजातीय वेशभूषा के प्रदर्शन में 08 दलों ने परंपरागत वेशभूषा के साथ आभूषणों के नाम जैसे सुता, बंधा, कौड़ी गजरा, कौड़ी माला, पुतरी, करधन, बाहुटा, ढार, लुरकी, ऐठी, मुंदरी, फूली, पटा, बिछिया सहित अन्य आभूषण की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के द्वारा दी गई। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को करीब से देखने और समझने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उत्साह के साथ दोनों श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया। जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण वर्ग में भाग लेने वाली प्रतिभागी पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की छात्रा मनिता नेताम ने राज्य शासन को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ''बस्तर पंडुम'' न केवल लोक संस्कृति को संरक्षित करने में कारगर साबित होगा, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध परंपराओं से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

जवानों ने किया तीन किलोग्राम का प्रेशर आईईडी बरामद

बीजापुर(विश्व परिवार)। जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरते हुए एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। जवानों ने नक्सलियों द्वारा बिछाये गये प्रेशर आईईडी को बरामद कर नष्ट किया है। दरअसल, सीआरपीएफ 199 बटालियन की टीम पीड़िया-मुतवेंडी मार्ग पर डिमाइनिंग ड्यूटी के लिए निकली थी। इसी दौरान कैंप पीड़िया से करीब 800 मीटर की दूरी पर जवानों को एक संदिग्ध वस्तु दिखी। जब सीआरपीएफकी बम डिस्पोजल (बीडी) टीम ने जांच की, तो वहां 3 किलोग्राम का प्रेशर आईईडी बरामद हुआ, जिसे माओवादियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए प्लांट किया था। जवानों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस पूरी कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सुरक्षाबल बम को निष्क्रिय करते नजर आ रहे हैं।

तीन सूत्रीय मांग को लेकर चालक संघ का राजधानी तक पदयात्रा, 19 मार्च को सौंपेंगे मुख्यमंत्री को ज्ञापन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के चालक संघ के सदस्यों ने अपनी तीन सूत्रीय मांग — ड्राइवर आयोग के गठन, ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड की स्थापना और ड्राइवर दिवस को मान्यता देने — को लेकर प्रदेशभर में पदयात्रा का आयोजन किया है। इस यात्रा का समापन 19 मार्च 2025 को रायपुर में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने के साथ होगा। पदयात्रा की शुरुआत गरियाबंद जिले के देवभोग (ओडिशा बॉर्डर) से 11 मार्च 2025 को सुबह 8 बजे हुई। यात्रा देवभोग से होते हुए गोहरापदर, मैनपुर, गरियाबंद, राजिम और अभनपुर के रास्ते राजधानी रायपुर पहुंचेगी। प्रदेश के सभी जिलों से चालक संघ के पदाधिकारी और सदस्य रायपुर के तूता मैदान धरना स्थल पर 19 मार्च को एकत्र होंगे और मुख्यमंत्री को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ पूरे राज्य में संचालित एक प्रमुख संगठन है, जो सारथी (ड्राइवर) समुदाय के कल्याण और सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय है। महासंघ के माध्यम से ड्राइवरों को नशा मुक्त रहकर वाहन संचालन करने, गति सीमा का पालन करने, वर्दी और आईडी कार्ड धारण करने, प्रेशर हॉर्न का उपयोग न करने और शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्कता बरतने जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए जाते हैं। ड्राइवर महासंघ ने 25 फरवरी 2025 से 19 मार्च 2025 तक पूरे राज्य में ड्राइवर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत ड्राइवरों को सुरक्षित और अनुशासित वाहन संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। गरियाबंद जिला शाखा के नेतृत्व में 11 मार्च को शुरू हुई इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में चालक संघ के सदस्य शामिल हुए हैं। संगठन ने इस पदयात्रा के दौरान शांति और अनुशासन बनाए रखने का संकल्प लिया है।चालक संघ ने कहा कि उनकी तीन सूत्रीय मांगों को पूरा करना ड्राइवर समुदाय के हित में एक बड़ा कदम होगा। ज्ञापन सौंपने के बाद पदयात्रा का समापन होगा।

सीईओ जिला पंचायत ने ली आवास पखवाड़ा की समीक्षा बैठक

सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आज जिला पंचायत में जिले के सभी विकासखण्डों में चलाए जा रहे आवास पखवाड़ा की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीईओ डॉ. कन्नौजे ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को आवास प्लस सर्वे 2024 के सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही शासन के मंशानुसार 30 मार्च 2025 को वृहद स्तर पर गृह प्रवेश उत्सव आयोजित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के समस्त निर्माणाधीन आवासों का स्तरवार एवं ग्राम पंचायतवार एक विशेष कार्ययोजना बनाकर निर्धारित समयावधि में 90 मानव दिवस की राशि प्रदान करने उपरांत उक्त आवासों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रथम किश्त अंतरण पश्चात अप्रारंभ 1152 आवासों के लाभार्थियो से समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ कर निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु संबंधितो को निर्देश दिए। योजनान्तर्गत वित्तीय 2024-25 के द्वितीय फेस में आबंटित अतिरिक्त लक्ष्य 8952 के विरूद्ध में यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर 30 मार्च 2025 तक स्वीकृति एवं प्रथम किश्त की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए।

29 लाख रुपये के इनामी सहित 19 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर(विश्व परिवार)। जिले में पुलिस को नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी सफलता मिली है. सरकार की महत्वपूर्ण पुनर्वास नीति और नियद नेल्लानार योजना से प्रभावित होकर 19 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से 10 नक्सलियों पर कुल 29 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस आत्मसमर्पण के साथ ही वर्ष 2025 में अब तक कुल 84 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा अब तक 137 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं और 56 माओवादियों को अलग-अलग मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने मार गिराया गया है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी 19 नक्सली पूर्व में फायरिंग, आईईडी ब्लास्ट, आगजनी जैसे अन्य नक्सली घटनाओं में शामिल थे. इन सभी नक्सलियों ने सीआरपीएफडीआईजी देवेन्द्र सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, एएसपी मयंक गुर्जर (आईपीएस), डीएसपी शरद जायसवाल और अन्य अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को अधिकारियों ने 25-25 हजार रुपये नगद राशि प्रदान किया गया।

मीजल्स और रूबेला की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की अपील

नारायणपुर(विश्व परिवार)। जिले में अब तक कुल 227 संदिग्ध मीजल्स और रूबेला केस दर्ज किए गए हैं, जिसमें से 07 मीजल्स और 03 रूबेला पॉजिटिव केस की पुष्टि हुई है। मीजल्स और रूबेला के लक्षणों में बुखार के साथ शरीर पर छोटे-छोटे दाने और चकत्ते होते हैं, जो कान के पीछे से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकते हैं। यह संक्रमण अत्यधिक संक्रामक है और छींकने-खांसने के दौरान वातावरण में फैलता है, जिससे बच्चों को प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने इस बीमारी से बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं, जिनमें किसी भी बच्चे में मीजल्स और रूबेला के लक्षण पाए जाने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को सूचित करें। संक्रमित बच्चों को सामुदायिक स्थानों और स्वस्थ व्यक्तियों से दूर रखें। बच्चों को मीजल्स और रूबेला का पूरा टीका लगवाएं। टीका हर मंगलवार और शुक्रवार को उपस्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है। जिले में मीजल्स और रूबेला का पर्याप्त डोज उपलब्ध है, और इसे किसी भी दिन स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि इस बीमारी से डरने या घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सही सावधानियां अपनाकर संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। संक्रमित बच्चों को विटामिन की दो खुराक 24 घंटे के अंतराल में देने के निर्देश भी दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी छात्रावासों और आश्रमों में मीजल्स का बूस्टर डोज लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलेवासियों से अपील की गई है कि किसी भी नए मामले की जानकारी होते ही उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में सूचित करें। स्वास्थ्य केंद्रों में रोजाना मीजल्स और रूबेला का वैक्सीनेशन उपलब्ध है। वैक्सीनेशन के लिए सीएचसी ओरछा, सीसीपी आकाबेड़ा, सीसीपी कुंदला, सीसीपी सोनपुर, पीएचसी छोटेडोंगर, पीएचसी धौड़ाई, डीएच नारायणपुर, डीवीएस नारायणपुर स्वास्थ्य केंद्रों पर संपर्क किया जा सकता है।

निस्तारी भूमि कैसे बदल गई निजी भूमि में, होगी जांच, 4 अफसरों को नोटिस

बिलासपुर(विश्व परिवार)। गावों में निस्तार के लिए आरक्षित भूमि के निजी भूमि स्वामी हक के रूप में तब्दील किये जाने के मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर अवनीश शरण ने इस संबंध में मिली शिकायत के आधार पर इसे टीएल पंजी में दर्ज कर चारों एसडीएम से घटना की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। कलेक्टर अवनीश शरण ने टीएल बैठक में राज्य सरकार के प्राथमिकता वाली योजनाओं और लंबित महत्वपूर्ण मामलों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, डीएफओ सत्यदेव शर्मा, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में समीक्षा करते हुए सिम्स में कविता की जगह गिरिजा को एबार्शन का इंजेक्शन लगाने की जांच रिपोर्ट भी तलब किया है। उन्होंने सिम्स के डीन को पत्र लिखकर दो दिन में रिपोर्ट मंगाई है। सीपत में 5 साल पहले बने 100 बेड अस्पताल के बिना इस्तेमाल के खण्डहर में तब्दील होने के मामले में तथ्यों की जांच के लिए 5 अधिकारियों की टीम भी गठित की है। टीम 10 दिनों में मामले की जांच कर प्रतिवेदन जिला कलेक्टर को सौंपेगी। बिना सूचना के टीएल बैठक से नदारद रहने पर डिप्टी कलेक्टर अरूण खलखों को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने पण्डित सुन्दरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी परिसर में 4.6 करोड़ रूपये से बने हास्टल के संबंध में रिपोर्ट मंगाई है। जबकि ओपन यूनिवर्सिटी होने के कारण छात्रों के ठहरने के लिए हास्टल निर्माण की कोई जरूरत ही नहीं थी। तीन साल से पहले यह भवन तैयार हुआ है। इनमें दरारें आ जाने के कारण यह खण्डहर में तब्दील होते जा रहा है। गृह निर्माण मण्डल के कार्यपालन अभियंता से दो दिवस में इसकी रिपोर्ट चाही गई है। कलेक्टर के निर्देश पर कोटा राजस्व अनुविभागीय अधिकारी ने निस्तार भूमि के संबंध में जांच शुरू कर दी है। कोटा तहसील में 507 में से 163 व्यक्तियों को नोटिस जारी किया गया है। बेलगहना में 1545 में से 862 तथा रतनपुर में 210 में से 196 का प्रकरण दर्ज कर संबंधितों को नोटिस जारी किया जा रहा है। निस्तार पत्रक से पृथक होकर निजी भूमि स्वामी के रूप में दर्ज पक्षकारों से जानकारी लिया जायेगा कि निस्तार पत्रक में दर्ज भूमि, भूमिस्वामी हक में किस आदेश के तहत दर्ज किया गया है। इसी तरह की कार्रवाई तखतपुर, मस्तुरी एवं बिल्हा के अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि निस्तार भूमि के अंतर्गत गांवों में चारागाह, घास भूमि, कब्रस्तान, श्मशान भूमि, गोठान, खलिहान, बाजार, खाद के गड्ढे, धरसा, तालाब आदि की भूमि शामिल हैं। ये गांव की सामूहिक उपयोग की भूमि होते हैं। किसी निजी व्यक्ति के भूमि स्वामी हक में इसे दर्ज नहीं किया जा सकता है। कलेक्टर ने बैठक में एग्रीस्टेक योजना के तहत किसान पंजीयन की प्रगति की भी समीक्षा की। पंजीयन कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं आने पर नाराजगी जाहिर की। कृषि विभाग के अधिकारी इसे राजस्व विभाग का काम समझकर इसके प्रति उपेक्षा भाव रखे हुए हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी चारों विकासखण्ड के एसएडीओ को शो कॉज नोटिस जारी किए। उन्होंने प्रति आरएईओ प्रति दिन 100 का लक्ष्य पूर्ण करने और 25 मार्च तक जिले का सम्पूर्ण लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 19 मार्च 2025

व्यापार समाचार

अदाणी ग्रीन एनर्जी 2025-26 तक नेट वाटर पॉजिटिव बनने के लिए प्रतिबद्ध

अहमदाबाद(एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2025-26 में नेट वाटर पॉजिटिव होने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए कंपनी साफ पानी की अपनी खपत को घटाएगी और पानी के पुनर्चक्रण पर जोर देगी। कंपनी वित्त वर्ष 2022-23 में ही 200 मेगावाट से अधिक क्षमता वाले परिचालन स्थानों पर पहले ही नेट वाटर पॉजिटिव बन चुकी है और उसका लक्ष्य सभी आगामी प्रोजेक्ट्स पर सौर मॉड्यूल की सफाई के लिए मीठे पानी का उपयोग बंद करने के लिए रोबोटिक सफाई को लागू करना है। नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर में सौर पैनल रखरखाव जैसे कार्यों के लिए पानी की काफी आवश्यकता होती है। 12.5 गीगावाट से अधिक परिचालन परिसंपत्तियों वाली देश की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी जल प्रबंधन में अग्रणी है। वाटर सस्टेनेबिलिटी प्राप्त करने के लक्ष्य को साकार करने के लिए कंपनी के रोडमैप में वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी जैसी कई रणनीतिक पहल शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि वह पानी के उपयोग में काफी तेजी से कमी लाई है और जल संकट से जूझ रहे खावड़ा, जैसलमेर और कच्छ जैसे क्षेत्रों में जल संसाधनों को पुन: जीवंत करने में योगदान दिया है। पिछले वर्ष कंपनी ने रोबोटिक सफाई के माध्यम से 3,47,310 किलोलीटर पानी की बचत की, जो 15.8 लाख घरों की जल खपत के बराबर है। अदाणी ग्रीन एनर्जी अपनी कुल परिचालन क्षमता में से लगभग 43.5 प्रतिशत फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल की सफाई के लिए रोबोटिक टेक्नोलॉजी को सफलतापूर्वक लागू कर चुका है। पीने के पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ प्लास्टिक की बोतलबंद पानी के उपयोग को खत्म करने के लिए अदाणी ग्रुप की कंपनी ने एक ऐसी ग्रीन टेक्नोलॉजी लागू की है जो हवा में नमी से पानी इकट्ठा करती है। यह इनोवेटिव सॉल्यूशन ताजा, स्वच्छ और साफ पेयजल उपलब्ध कराता है जो अंतर्राष्ट्रीय जल सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। साथ ही प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करता है और कार्बन उत्सर्जन को कम करता है।

केंद्रीय बैंकों और गोल्ड ईटीएफ की खरीद से 2025 में जारी रहेगी सोने के दाम में तेजी!

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय बैंकों और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की खरीद के कारण 2025 में सोने की कीमतों में तेजी जारी रहेगी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ रिपोर्ट में बताया गया कि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सोने की कीमतों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। वहीं, केंद्रीय बैंकों की खरीद सोने के मार्केट को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 में सोना भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास था। इसने सालाना आधार पर 21 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। भारतीय बाजारों में सोने में मजबूत निवेश देखने को मिला है। 2024 में देश में गोल्ड ईटीएफ में 112 अरब रुपये का निवेश हुआ और गोल्ड होल्डिंग में 15 टन का इजाफा हुआ, जिसके कारण वर्ष के अंत में कुल गोल्ड होल्डिंग बढ़कर 57.8 टन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि रिटेल और संस्थागत निवेशकों दोनों से मजबूत मांग देखने को मिल रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2024 में भी सोने की खरीद को जारी रखा। पिछले वर्ष केंद्रीय बैंक ने 72.6 टन सोना खरीदा, जिसके कारण देश का गोल्ड रिजर्व बढ़कर 876 टन हो गया है। यह लगातार सातवां वर्ष था, जब आरबीआई सोने का शुद्ध खरीदार रहा है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 10.6 प्रतिशत है। सोने की अधिक कीमतों का असर ज्वेलरी की मांग पर पड़ता है, जबकि गोल्ड बार और कॉइन में निवेश बढ़ रहा है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि 2024 में अधिक कीमतों के कारण मांग कम रही, लेकिन शादी सीजन में खरीदारी के कारण जनवरी के मध्य में धीरे-धीरे इसमें सुधार हुआ है। चांदी पर रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले चार वर्षों में आपूर्ति में लगातार कमी रही है और मांग आपूर्ति से अधिक रही है, जिसके कारण चांदी की कीमतों को समर्थन मिला है।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार फार्मा और ऑटो सेक्टर में तेजी

मुंबई(एजेंसी)। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में फार्मा और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.32 बजे सेंसेक्स 504.88 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 74,333.79 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 164.00 अंक या 0.73 प्रतिशत बढ़कर 22,561.20 पर पहुंच गया। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, सेंसेक्स 74,550 के आसपास बना हुआ है और मुनाफावसूली के कारण इसकी गति धीमी हो गई है। इंडेक्स को 73,600 के स्तर पर शॉर्ट-टर्म सपोर्ट मिला है, जिसे अभी बनाए रखने की जरूरत है। पीएल कैपिटल ग्रुप की तकनीकी शोध उपाध्यक्ष वैशाली पारेख ने कहा, आने वाले दिनों में और तेजी का अनुमान लगाने के लिए 75,000 लेवल से आगे एक निर्णायक कदम उठाना जरूरी है। आज सेंसेक्स के लिए सपोर्ट 22,300 के लेवल पर देखा जा रहा है, जबकि प्रतिरोध 22,600 के स्तर पर देखा जा रहा है। इस बीच, निफ्टी बैंक 259.95 अंक या 0.54 प्रतिशत बढ़कर 48,320.35 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 183.30 अंक या 0.38 प्रतिशत बढ़कर 48,308.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 62.15 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 14,959.50 पर था। विशेषज्ञों ने कहा कि निकट भविष्य में बाजार का रुझान स्थिर रहने की संभावना है। एफआईआई आउटफ्लो में लगातार गिरावट का ट्रेंड और पिछले सप्ताह अमेरिका के मुकाबले भारत का बेहतर प्रदर्शन सकारात्मक कारक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पॉजिटिव ट्रेंड को वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि में 6.2 प्रतिशत का उछाल, जनवरी में आईआईपी में 5 प्रतिशत का उछाल और फरवरी में सीपीआई मुद्रास्फीति में 3.61 प्रतिशत की गिरावट से सपोर्ट मिला है। सेंसेक्स पैक में इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर्स रहे। जबकि इंफोसिस, जोमैटो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप लूजर्स रहे।

धोनी ने 6 साल बाद मान ली अपनी गलती, बोले- नो बॉल विवाद पर मैदान में नहीं घुसना चाहिए था

नई दिल्ली(एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में एक ऐसे पल का खुलासा किया, जिसका उन्हें सबसे ज़्यादा अफ़सोस है। धोनी ने 6 साल बाद अपनी उस गलती को माना है जब उन्होंने अपना आपा खो दिया था। धोनी ने बताया कि 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स मैच के दौरान मैदान पर वॉकआउट करना उनके आईपीएल करियर की सबसे बड़ी गलती थी। ये घटना मैच के अंतिम ओवर में हुई, जब बेन स्टोक्स ने धीमी गति की गेंद फेंकने की कोशिश की और गेंद उनके हाथ से फिसल गई और कमर तक ऊंची फुल टॉस हो गई। स्ट्रेट अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दे दिया, लेकिन स्क्वायर लेग अंपायर ने इस फ़ैसले को खारिज कर दिया। इससे धोनी भड़क गए और उन्होंने मैदान में घुसकर अंपायर से बहस की। अंपायरों से खूब बातचीत करने के बाद भी फैसला नहीं बदला गया और धोनी को गुस्से में मैदान से बाहर जाते हुए देखा गया। अब मास्टरकार्ड के एक कार्यक्रम में मंदिरा बेदी से बात करते हुए, धोनी से पूछा गया कि क्या उन्होंने भी कभी अपना आपा खो दिया था। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसा कई बार हुआ है और उन्होंने 2019 में मैच में हुई घटना का ज़िक्र भी किया। धोनी ने कहा, ऐसा कई बार हुआ है। आईपीएल के एक मैच के दौरान मैं मैदान पर चला गया था। ये एक बड़ी गलती थी। इसके अलावा, ऐसे कई उदाहरण हैं, जब कुछ ऐसा हुआ है, जो हमें परेशान कर सकता है, क्योंकि हम ऐसा खेल खेलते हैं, जिसमें दांव बहुत ऊंचे होते हैं। आपको हर मैच जीतना होता है। इसलिए मैं कहता हूं कि जब आप किसी बात पर गुस्सा या निराश हों, तो अपना मुंह बंद रखें और उससे दूर रहें। गहरी सांस लेने की कोशिश करें, क्योंकि ये दबाव को संभालने जैसा है। बता दें कि धोनी सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने हुए हैं और आईपीएल में अपने 18वें सीजन में भी वो खेलते हुए नजर आएंगे। धोनी सक्रिय रूप से ट्रेनिंग कर रहे हैं और इस साल के अभियान की शुरुआत से पहले ही शिविर में शामिल हो गए हैं।

सचिन की इंडिया मास्टर्स बनी करोड़पति, फाइनल हारकर भी वेस्टइंडीज को मिली भारी भरकम प्राइज मनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया मास्टर्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। बीते रविवार, 16 मार्च को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम, रायपुर में खेले गए फाइनल में इंडिया मास्टर्स ने विपक्षी टीम वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इंडिया मास्टर्स को फाइनल में जीत के लिए 149 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे उन्होंने 4 विकेट खोकर 17.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। अंबाती रायडू ने इस मैच में 74 रनों की शानदार मैच जिताऊ पारी खेली जिसके लिए उन्हें फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इस ट्रॉफी को जीतने के बाद ज्यादातर फैंस ये जानना चाहते हैं कि सचिन तेंदुलकर की टीम को कितनी प्राइज़ मनी मिलेगी? तो चलिए आपको इस सवाल का जवाब देते हैं। वेस्टइंडीज को हराने और इंटरनेशनल मास्टर्स लीग जीतने के बाद, इंडिया मास्टर्स को नकद पुरस्कार के रूप में एक बड़ी राशि मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सचिन तेंदुलकर की अगुवाई वाली टीम को 1 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि ब्रायन लारा की वेस्टइंडीज मास्टर्स को टूर्नामेंट में उपविजेता के रूप में समाप्त करने के लिए 50 लाख रुपये मिले।

भारत इस साल करेगा 800 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात : पीयूष गोयल

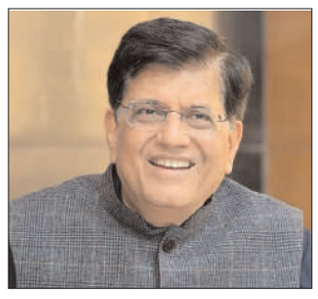

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सर्विसेज की बड़ी हिस्सेदारी के साथ भारत इस साल 800 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात करने की राह पर है। बदलते वैश्विक माहौल के बीच केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार इसके लिए लगातार काम कर रही है और भारतीय निर्यातकों (माल और सेवा) का अच्छा भविष्य सुनिश्चित करने और देश के हितों की रक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईपीसी) और इंडस्ट्री एसोसिएशन को अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने निर्यातक समुदाय के बीच सकारात्मकता और इस संकट को, जिसका आज दुनिया सामना कर रही है, एक अवसर में बदलने के लिए उनके आशावान होने की सराहना भी की। अमेरिका के संबंध में उद्योग की चिंताओं को दूर करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने ईपीसी से अपनी ताकत पर विचार करने और अमेरिका के साथ बेहतर जुड़ाव के लिए सरकार के साथ अपनी मांगों को साझा करने को कहा। द्विपक्षीय समझौतों पर चल रहे प्रयासों पर गोयल ने कहा कि सरकार एक साथ कई ट्रैक पर काम कर रही है और उनमें से प्रत्येक ट्रैक का उद्देश्य भारतीय निर्यातकों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना है। केंद्रीय मंत्री ने संकेत दिया कि सरकार विशेष रूप से कुछ के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अंतिम चरण में पहुंच गई है। गोयल इस बात को लेकर भी आश्वस्त थे कि इससे भारतीय निर्यातकों के लिए बेहतर अवसर पैदा होंगे और अधिक निवेश भी आएगा। पारस्परिक टैरिफ पर बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि ईपीसी को अपनी संरक्षणवादी मानसिकता से बाहर आना होगा और उन्हें साहसी होने और अपनी ताकत एवं आत्मविश्वास से दुनिया से निपटने के लिए तैयार होने के लिए प्रोत्साहित किया है।

केंद्र ने '5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025' की घोषणा की

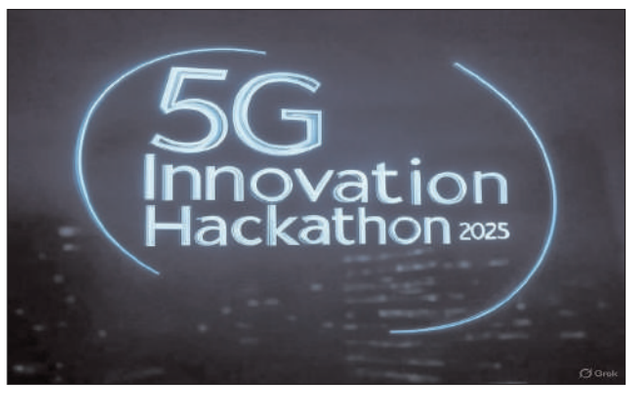

नई दिल्ली(एजेंसी)। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सोमवार को '5त्न इनोवेशन हैकाथॉन 2025' की घोषणा की। छह महीने की अवधि वाली इस पहल का उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों से निपटने के लिए इनोवेटिव 5जी पावर्ड सॉल्यूशन के विकास में तेजी लाना है। संचार मंत्रालय के अनुसार, छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब तक पहुंच प्रदान करता है। इससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को स्केलेबल टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद मिलती है। विजेताओं को पुरस्कार भी दिए जाएंगे, जिसमें प्रथम स्थान के लिए 5,00,000 रुपये, दूसरे स्थान के लिए 3,00,000 रुपये और तीसरे स्थान के लिए 1,50,000 रुपये तय किए गए हैं। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ विचार और मोस्ट इनोवेटिव प्रोटोटाइप को भी सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए प्रत्येक को 50,000 रुपये मिलेंगे। दस प्रयोगशालाओं को सर्वश्रेष्ठ 5त्न उपयोग मामले के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और उभरते संस्थान से सर्वश्रेष्ठ विचार के लिए एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। बेस्ट 5जी यूज केस के लिए 10 लैब्स को सर्टिफिकेट्स दिए जाएंगे। इसके अलावा, उभरते संस्थानों में से एक को बेस्ट आइडिया के लिए सर्टिफिकेट दिया जाएगा। हैकाथॉन प्रमुख 5जी एप्लीकेशन पर केंद्रित प्रपोजल को इनवाइट कर रहा है, जिसमें एआई-ड्रिवन नेटवर्क का रखरखाव, आईओटी-इनेबल्ड सॉल्यूशन, 5जी ब्रॉडकास्टिंग, स्मार्ट हेल्थ, कृषि, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन), डीटूएम, वीटूएक्स और क्वांटम कम्युनिकेशन शामिल हैं। प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया से जुड़ी परेशानियों के समाधान के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, क्वालिटी ऑफ सर्विस और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हैकाथॉन प्रतिभागियों को उनके इनोवेशन को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने में मदद करने के लिए मददगार है। प्रतिभागियों को उनकी आईपी संपत्तियों को कमर्शियलाइज करने के लिए आईपीआर फाइलिंग में मदद मिलेगी। हैकाथॉन कई चरणों में होगा। हर चरण को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है, ताकि आखिरी मूल्यांकन के लिए जमा किए गए प्रस्ताव से नए विचार सामने लाए जा सकें। दूरसंचार विभाग की स्क्रीनिंग के लिए हर संस्थान को अधिकतम पांच प्रपोजल पेश करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद क्षेत्रीय समितियां आगे के इवैल्यूशन (मूल्यांकन) के लिए सर्वोत्तम प्रविष्टियां चुनेंगी। अंतिम चरण, मूल्यांकन और प्रदर्शन (इवैल्यूएशन और शोकेस), सितंबर 2025 के अंत में होगा।

चोटिल उमरान मलिक की जगह चेतन सकारिया हुए केकेआर में शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चोटिल तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ चेतन सकारिया को आईपीएल 2025 के लिए अपने दल में शामिल किया है। मलिक ने आखिरी बार आईपीएल 2024 में कोई प्रतिस्पर्धी मैच खेला था, तब उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ़ से सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था। वहीं सकारिया भी चोट से वापस आ रहे हैं। उन्होंने फरवरी 2024 में सौराष्ट्र के लिए कोई रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। मलिक हालिया समय में लगातार चोटिल रहे हैं, जिसके कारण वह 2024-25 का पूरा घरेलू सीजन नहीं खेल पाए। उन्होंने अब तक आठ टी20 में 10.48 की इकॉनमी से रन देते हुए 11 विकेट लिए हैं। वहीं सकारिया ने भी भारत के लिए दो टी20 खेला है, जिसमें उनके नाम 9.27 की इकॉनमी से रन देते हुए एक विकेट है। मलिक ने आखिरी बार आईपीएल 2024 में कोई प्रतिस्पर्धी मैच खेला था, तब उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ़ से सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था।

माइनिंग और कृषि से बढ़ेगी छत्तीसगढ़ में वाणिज्यिक वाहनों की मांग

रायपुर। देश के वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) के बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इसका श्रेय सरकार की इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए गहरी प्रतिबद्धता को जाता है। सड़क मार्ग के नेटवर्क का विस्तार, तेजी से बढ़ते ई कॉमर्स सेगमेंट के साथ टिकाऊ मोबेलिटी सॉल्यूशन की ओर बढ़ रहे ध्यान से लॉजिस्टिक और उत्सर्जनक के मानकों का आधुनिकीकरण हो रहा है। इससे सीवी सेगमेंट तेजी से बढ़ रहा है। हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) और भारी वाणिज्यिक वाहन (एचसीवी) दोनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। एलसीवी अंतिम मुकाम तक माल पहुंचाने और छोटे और मझौले उद्यम (एसएमई) ऑपरेशंस के लिए अहम हैं। इसी तरह एचसीवी बड़े उद्योगों के उत्पाद को लाने ले जाने का काम करते हैं। श्रीराम फाइनेंस का केवल छत्तीसगढ़ में सीवी सेगमेंट का एयूएम 2,808.14 करोड़ है। यह बताता है कि इस सेगमेंट में मांग तेजी से बढ़ रही है। इतना ही नहीं यूज्ड सीवी के मार्केट के भी लगातार बढ़ने का अनुमान है। इसे लोगों के आर्थिक सामर्थ्य के बढ़ने, डिजिटल लेनदेन में बढ़ोतरी और अनुकूल सक्रेपिंग पॉलिसी जैसी सरकारी नीतियों का भी लाभ मिल रहा है। मार्केट के रुझान बताते हैं कि सीवी सेगमेंट 2025-2030 तक 5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि विकास दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा। भारी वाहनों की वृद्धि विशेष रूप से काफी मजबूत रही है। एसएमई और तेजी से बढ़ते ई कॉमर्स सेक्टर में उनका योगदान खासा अहम है। श्री सुदर्शन होला, संयुक्त प्रबंध निदेशक, श्रीराम फाइनेंस ने कहा, छत्तीसगढ़ में हमारा विकास बुनियादी ढांचे में बढ़ते निवेश, खनन क्षेत्र से बढ़ी मांग और सफल खरीफ फसल सीजन के बाद कृषि में बेहतर नकदी प्रवाह से प्रेरित है। समर्पित उत्पाद वर्टिकल और विशेषज्ञ कार्मिकों सहित कंपनी की रणनीतिक पहलों ने भी इस विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भविष्य को देखते हुए, श्रीराम फाइनेंस को वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में प्रयुक्त सीवी सेगमेंट में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, साथ ही अगले वित्तीय वर्ष में निरंतर विस्तार भी जारी रहेगा। मध्य प्रदेश में अपनी पैठ मजबूत करते हुए, कंपनी ने अग्रणी सीवी डीलरशिप के साथ भागीदारी की है और बाजार में पैठ बढ़ाने के उद्देश्य से 'उड़ान मंच' जैसी ग्राहक-केंद्रित पहल शुरू की है। इसके अतिरिक्त, श्रीराम फाइनेंस सीवी खरीदारों के लिए एक सहज वित्तपोषण अनुभव प्रदान करने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाना जारी रखता है, जिससे इस क्षेत्र में निरंतर विकास सुनिश्चित होता है।

स्विगी इंस्टामार्ट ने भारत के 100 शहरों तक क्विक कॉमर्स सर्विस को विस्तार दिया

रायपुर। भारत के अग्रणी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी इंस्टामार्ट ने भारत के 100 शहरों तक विस्तार का एलान किया है। विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों में 10 मिनट में डिलीवरी सर्विस को लेकर बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने यह अहम पड़ाव पार किया है। पिछले महीने में ही स्विगी इंस्टामार्ट ने रायपुर, सिलीगुड़ी, जोधपुर और तंजावुर जैसे शहरों में कदम रखते हुए कई लोगों को पहली बार क्विक कॉमर्स की सुविधा का लाभ उठाने में सक्षम बनाया है। इस विस्तार के साथ अब लाखों ग्राहक मात्र 10 मिनट में ग्रॉसरी एवं रोजाना की जरूरत के उत्पादों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्टफोन, फैशन, मेकअप, खिलौने और अन्य कई श्रेणियों के 30,000 से ज्यादा उत्पादों की डिलीवरी पाने में सक्षम हुए हैं। इस उपलब्धि को लेकर स्विगी इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश झा ने कहा पिछले एक साल में लाखों भारतीयों ने किराने के सामान एवं जरूरी चीजों से लेकर त्यौहारों एवं रोजमर्रा की जरूरतों तक हर चीज के लिए स्विगी इंस्टामार्ट को अपनाया है। हमने देखा है कि मेट्रो शहरों के अलावा भी लोग सुविधाजनक रिटेल की ओर आकर्षित हो रहे हैं, क्योंकि उपभोक्ताओं का व्यवहार और क्विक कॉमर्स से मिलने वाली सहूलियत, दोनों साथ-साथ चलते हैं। 100 शहरों में विस्तार से हम अपनी पहुंच को मजबूत करने और दूरदराज के क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुए हैं। 2025 में, प्रत्येक चार में से एक नया यूजर टियर 2 या 3 शहरों से था, जो क्विक कॉमर्स की बढ़ती मांग को दिखाता है। इस विकास के साथ हम बड़े यूजर बेस के लिए समान स्तर की सुविधा, विकल्प और मूल्य की पेशकश को लेकर उत्साहित हैं। इन उत्पादों को सुलभ बनाने में मदद के लिए डार्क स्टोर के कर्मचारियों और डिलीवरी पार्टनर्स को सशक्त बनाकर लोकल इकोसिस्टम का समर्थन करने का भी हमें गर्व है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025

मोवा रेलवे अंडरब्रिज में पुताई कार्य करने हेतु रात्रि 10 से सुबह 5 बजे तक बंद रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, रायपुर मंडल द्वारा मोवा रेलवे अंडरब्रिज में पुताई कार्य करने हेतु गाड़ियों की आवाजाही को रात्रि 10.00 बजे से सुबह 05.00 बजे तक दिनांक 18. 03.2025 से दिनांक 25.03.2025 तक प्रतिबंधित रहेगा इसकी अनुमति कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा प्रदत हैं। इस अंडरब्रिज से आवागमन करने वाले वाहनों को प्रतिबंधित करने से मोवा ओवरब्रिज के आगे से यूटर्न कर उपलब्ध मार्ग से आवागमन कर सकते है, वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने निगम मुख्यालय सभापति कक्ष में सपरिवार शंख ध्वनि वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजा-अर्चना की

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के नवनिर्वाचित सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के प्रथम तल पर सभापति कार्यालयीन कक्ष में पहुंचकर सपरिवार आचार्य द्वारा किये गये वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंख ध्वनि के मध्य पूजा अर्चना की। इस अवसर पर निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ को रायपुर जिला शहर भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष श्री अकबर अली, एमआईसी सदस्य श्रीमती संजना हियाल, श्री अमर गिदवानी, श्री महेन्द्र खोडियार, निगम सचिव श्री सूर्यकांत श्रीवास्तव सहित गणमान्यजनों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने बुके, प्रदत्त करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को रंगपंचमी की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रंग, उमंग और आनंद के पर्व रंगपंचमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रंगपंचमी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। होली के पांच दिन बाद मनाया जाने वाला यह उत्सव रंगों की खूबसूरती और उल्लास का संदेश देता है। इस दिन लोग रंग, गुलाल और अबीर से एक-दूसरे को सराबोर कर खुशियों और मेल-मिलाप का पर्व मनाते हैं।

सनत सामंतों का निधन, अंतिम संस्कार आज

रायपुर (विश्व परिवार)। कोटा कॉलोनी रायपुर निवासी श्री सनत सामंतों उम्र 80 वर्ष का निधन हो गया है। अंतिम यात्रा 19 मार्च सुबह 10 बज कोटा मुक्तिधाम में संपन्न होगी। ये राजीव सामंतो, भाजपा नेता गोपाल सामंतों के पिताजी थे।

हजारों लोग जब एक साथ बैठकर धर्म की आराधना विश्वशांति के उद्देश्य को लेकर करते हैं तो उन मंत्रों का उच्चारण बहुत बड़े पुण्य का कारण बनता है : निर्यापक मुनि श्री समता सागर जी महाराज

श्री समवशरण महामंडल विधान का अंतिम दिन आज, हवन के साथ होगा अनुष्ठान का समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुनि श्री समता सागर महाराज ने समवसरण विधान के द्वितीय दिवस श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर मालवीय रोड के प्रागंण में प्रात:कालीन धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों लोग जब एक साथ बैठकर धर्म की आराधना विश्वशांति के उद्देश्य को लेकर करते है तो उन मंत्रों का उच्चारण बहुत बड़े शातिशय पुण्य का कारण बनता है, सामुहिक संदेश देने के लिये धर्म सभा होती है जिस प्रकार से दुनिया की आबादी तो बड़ रही है लेकिन आज धर्म के संस्कार घटते जा रहे है उन्होंने एक उदाहरण देते हुये कहा कि शोसल मीडिया पर एक बीडीओ कार्यकर्ता ने दिखाया जिसमें सात आठ साल के बच्चे ने मां से मोवाईल की जिद् की न दैनें पर वह अपने क्रिकेट के बल्ला से मां के सिर पर प्रहार कर दिया मां तड़पी लेकिन उस बच्चे को मां से कोई मतलब नहीं उसने मोवाईल उठाया और गेम खेलने लगा मुनि श्री ने कहा कि इस प्रकार बच्चे उद्दंडता सीख रहे है और उनसे संस्कार गायब होते जा रहे है।

मुनि श्री ने कहा धर्मसभा का एक ही उद्देश्य रहता है कि जो लोग धर्म से विमुख होते है वह भी ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से मंदिर जी में तथा महाराज जी के पास आते है और कुछ न कुछ संस्कार लेकर ही जाते है, जैन एवं जैनेत्तर बंधु एक साथ बैठकर धर्म की चर्चा को सुनते है इससे अहिसा धर्म का प्रचार प्रसार होता है, मांसाहारी भी जब धर्मोउपदेश को सुनते है, उनकी भी मानसिकता बदलती है और वह मांसभक्षण का त्याग कर सामुहिक रुप से शाकाहार का नियम लेते है।मुनि श्री ने कहा आप सभी लोग विधान में बैठकर भगवान की पूजा के पश्चात विसर्जन करते है और भावनाभाते है, 'सुखी रहे सव जीव जगत में, कोई कभी न घवरावे बैर पाप अभिमान छोड़ सब नित्य नये मंगल गावे' जब हजारों लोग एक साथ बैठकर सामुहिक रुप से भक्ती, आरती, स्वाध्याय, प्रवचन और प्रार्थना करते है तो उन मंत्रों का उन शव्दों का सभी पर विशेष असर पड़ता है इसे विज्ञान ने भी स्वीकार किया है अभी आप लोग समवसरण में बैठकर धर्मो उपदेश को सुन रहे है जब कभी भी भविष्य में तीर्थंकर भगवान का समवसरण लगे तो इतना सातिशय पुण्य इकटठा कर लो उस सभा में पहुंचने का सौभाग्य मिल जाऐं। मुनि श्री ने कहा कि अक्सर हम लोग आचार्य श्री से पूंछा करते थे कि आचार्य श्री आपका जन्म कर्नाटक में हुआ नवमी कक्षा तक पड़ाई हुई और राजस्थान में आपकी दीक्षा हुई और मध्यप्रदेश को आपने अपनी साधना स्थल बना लिया और आपका जिनसे कभी भी कोई भी परिचय नहीं था उन सभी को भीआपने अपना बना लिया तो आचार्य श्री कहा कि ये परिचय अपरिचय तो हमें पता नहीं, लेकिन पूर्व जन्म में अथवा पूर्व भवों में हम सभी का एक दूसरे से परिचय अवश्य रहा होगा तभी तो एक साथ मिले है आज गुरु और शिष्य का अंतर भले ही दिख रहा है मेंने आपको दीक्षा दी आप लोगों ने दीक्षा ली यह अलग अलग भले ही दिख रहा है लेकिन भवभवांतर से अपना सभी का सहयोग किसी न किसी रूप में एक साथ चला आ रहा है, तब हमने गुरुदेव से कहा कि आपका यह पुण्य ऐसे ही बड़ता जाऐ जब आप किसी भव में तीर्थंकर बनें तो हम सभी आपके समवसरण में विराजमान हों तो आचार्य श्री ने कहा जैसी भावना आप लोग भाते हो बेसी भावना में भी अपने गुरुदेव के लिये रखता हूं।

मुनि श्री ने कहा कि अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर तो साक्षात समवसरण विपुलाचल पर्वत से उपदेश देकर पावापुर से मोक्ष को चले गये हों आज साक्षात समवसरण हमारे तुम्हारे सामने भले ही नहीं हों लेकिन ये मंदिर और ये जिनविंव साक्षात समवसरण के समान ही ऐतिहासिक धरोहर है अगर ये मंदिर न होते तो हमारा यह संदेश घर घर तक नहीं पहूंच पाता। मुनि श्री ने कहा कि आप व्यक्तीगत रुप से कितने भी बड़े आयोजन करा लो सारी समाज एक साथ एकत्रित हो जाऐ यह जरूरी नहीं लेकिन धार्मिक आयोजन हो और उसमें मुनि संघ आ जाऐ तो आपका भले ही आपके पास निमंत्रण जाऐ या न जाये समाज तो पता लगाकर आ ही जाती है भले ही स्थान कितनी ही दूर क्यों न हो वह अपने साधन से चला ही आता है जिसके पास कार है वह कार से और जिसके पास कार नहीं है वह पांव पांव णमोकार के माध्यम से चला आता है।

इस अवसर पर मुनि श्री पवित्र सागर महाराज ने कहा कि विधान के लिये स्थान और विशेष परिधान होंना चाहिये, धार्मिक महोत्सव आपको धर्मात्मा तथा सामाजिक व्यवस्था से जोड़ते है उपरोक्त जानकारी राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय प्रचार प्रमुख अतुल जैन गोधा ने देते हुये बताया मुनिसंघ की आहार चर्या का सौभाग्य निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज को पड़गाहन कर आहार कराने का सौभाग्य श्री मति दीप्ती संजय जैन प्रेमी परिवार, नवीन मोदी कविता मोदी, तथा श्री मति संध्या अजीत जैन पारस हेन्डलूम रायपुर को प्राप्त हुआ तथा मुनि श्री पवित्र सागर महाराज को आहार कराने का सौभाग्य ज्योति अनुराग जैन तथा बड़े जैन मंदिर की महिला मंडल को मिला प्रात:काल बाल ब्र. धीरज भैया राहतगड़ तथा संगीत कार अनिल जैन वर्धमान भोपाल ने संगीत के साथ मधुर कंठ से विधान संपन्न कराया 19 मार्च बुधवार को विधान का समापन होगा।

अविनाश जैन पत्रकार विदिशा हुए सम्मानित

श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पंचायत ट्रस्ट द्वारा मुनि श्री समता सागर जी महाराज के संघ में निरंतर अपनी निस्वार्थ सेवाएं देने के लिए वरिष्ठ पत्रकार अविनाश जैन विदिशा का बहुमान किया गया। बड़े मंदिर जी के मेनेजिंग ट्रस्टी श्री नरेंद्र जैन गुरुकृपा, अध्यक्ष यशवंत जैन, उपाध्यक्ष श्रद्धेय जैन लोकेश जैन, नीरज जैन, सचिव सुजीत जैन कोषाध्यक्ष दिलीप जैन सहित समस्त पदाधिकारियों ने पत्रकार महोदय को तिलक, शौल, श्रीफल माला आदि पहनाकर सम्मानित किया।

बिलासपुर रेल मंडल द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु बेहतरीन पहल

बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में हेल्थ कियोस्क से यात्रियों को मिल रही है चिकित्सीय जाँच सुविधा

बिलासपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर मंडल ने बेहतर स्वास्थ्य जागरूकता की बेहतरीन पहल की शुरुआत की है। इसी क्रम में, बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में हेल्थ कियोस्क की स्थापना की गई है, जो यात्रियों को आवश्यक चिकित्सीय जांच की सुविधा प्रदान कर रही है।

यह हेल्थ कियोस्क आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है और यात्रियों को ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, विजन टेस्ट, कलर ब्लाइंडनेस टेस्ट, एचबी टेस्ट, हार्ट रेट, कान की जाँच आदि की जांच की सुविधा कम समय में किफायती दर पर उपलब्ध करवा रहा है। यह कियोस्क अत्याधुनिक उपकरणों और डिजिटल तकनीक से लैस है, जिससे यात्रियों को सटीक और त्वरित रिपोर्ट प्राप्त हो रही है।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में हेल्थ कियोस्क से यात्रियों एवं आमजनों को चिकित्सीय जाँच की सुविधा मिल रही है। यह हेल्थ कियोस्क बिलासपुर स्टेशन परिसर में स्थित रेल कोच रेस्टोरेन्ट के सामने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के बगल में स्थित है, जो प्रतिदिन सुबह 08 बजे से रात्रि 08 बजे तक लोगों की सुविधा हेतु उपलब्ध है।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस पहल को साकार किया गया है। हेल्थ कियोस्क न केवल आकस्मिक स्वास्थ्य समस्याओं की शीघ्र पहचान में सहायक है, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता को भी बढ़ावा देने का माध्यम बन रहा है।

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया, कि मंडल द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल यात्रियों की सुविधा में वृद्धि करेगा, बल्कि रेलवे के प्रति उनकी विश्वासनीयता को भी मजबूत करेगा। हेल्थ कियोस्क की इस सेवा से यात्रियों को मेडिकल जांच के लिए समय बचाने और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने में सहायता मिलेगी। यात्रियों के लिए यह सेवा स्वास्थ्य सुरक्षा और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। साथ ही यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान अपने स्वास्थ्य की निगरानी करने में सहायक सिद्ध होगी।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने गुजरात के वडोदरा में एआईयू वुडबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में स्वर्ण पदक जीता

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय की वुडबॉल टीम ने 7 मार्च से 10 मार्च, 2025 तक पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात में आयोजित एआईयू वुडबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है।

उल्लेखनीय कौशल, दृढ़ संकल्प और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन करते हुए, कलिंगा विश्वविद्यालय टीम ने मिश्रित युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक और महिला टीम स्ट्रोक श्रेणी में कांस्य पदक हासिल करके विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। इस चैंपियनशिप में देश भर के 44 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जिससे यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण हो गई।एथलीटों के साथ डॉ. संजीव कुमार यादव (सहायक प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा संकाय) और सुश्री अनामिका शुक्ला (सहायक, खेल विभाग) भी थे, जिनका मार्गदर्शन खेल निदेशक डॉ. डी. कालीदोस ने किया। कलिंगा विश्वविद्यालय अपने एथलीटों की कड़ी मेहनत, दृढ़ता और असाधारण खेल कौशल पर बहुत गर्व करता है। यह उपलब्धि खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उच्चतम स्तर पर युवा प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एसईसीएल मुख्यालय में टीबी एवं एचआईवी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के 100 दिवसीय क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन अभियान (7 दिसंबर 2024 - 17 मार्च 2025) के तहत, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा टीबी और एचआईवी रोकथाम एवं जागरूकता पर एक दिवसीय एडवांस्ड ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन एमडीआई, एसईसीएल, बिलासपुर में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बिरंची दास, निदेशक (कार्मिक), एसईसीएल ने टीबी और एचआईवी के खिलाफ सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कार्यक्रम में डॉ गायत्री बांधी, जिला टीबी अधिकारी, बिलासपुर द्वारा टीबी प्रबंधन कार्यक्रम के बारे में बताया गया वहीं डॉ ऋतु कश्यप द्वारा टीबी के इलाज दिशानिर्देश, प्रोटोकॉल एवं सह-रुग्णता की जानकारी प्रतिभागियों को दी गयी। इसके साथ ही टीबी एवं एचआईवी के सामाजिक प्रभाव से जुड़े पहलुओं पर श्री आशीष सिंह जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा जानकारी दी गयी।

इस कार्यशाला में टीबी एवं एचआईवी प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रैक्टिस) को साझा करने, जागरूकता बढ़ाने, और रोकथाम के उपायों पर चर्चा करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों ने अपने विचार और अनुभव साझा किए।

आरडीए की सरचार्ज राशि में छूट 31 मार्च तक

कौशल्या माता विहार, इन्द्रप्रस्थ रायपुरा फ्लैट्स की जल राशि के सरचार्ज में 100 प्रतिशत की छूट

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं के आवंटिति अब सरचार्ज राशि में छूट का लाभ लेने लगे हैं। यही नहीं आवंटिती अपनी किस्तों की संपूर्ण राशि भी एक साथ जमा करने लगे हैं। इससे न सिर्फ वे लाभान्वित हो रहे है वरन अपनी बचत भी कर हहे हैं। प्राधिकरण संचालक मंडल के पूर्व निर्णय के अनुसार 31 मार्च 2025 तक पुरानी आवासीय योजनाओं में एकमुश्त बकाया का भुगतान करने पर 50 प्रतिशत और पुरानी योजनाओं के व्यावसायिक योजनाओं के सरचार्ज राशि में 30 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों में किस्तों के सरचार्ज पर 50 प्रतिशत तथा कौशल्या माता विहार व इन्द्रप्रस्थ रायपुरा के प्रधानमंत्री आवास योजना के जल राशि के सरचार्ज पर शतप्रतिशत छूट दी जा रही है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के निर्देश पर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने बकाया के सरचार्ज राशि में छूट का लाभ देने के लिए विशेष वसूली कैंपों का आयोजन किया है। सोमवार को ट्रांसपोर्टनगर, मगंलवार को हीरापुर में कैम्प का आयोजन कर बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि की छूट दी गई।

यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल

पटना-चर्लपल्लि-पटना के मध्य 22 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफ़र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पटना-चर्लपल्लि-पटना के मध्य 22 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 03253 पटना-चर्लपल्लि द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, पटना से 17 मार्च 2025 से 28 मई 2025 तक (22 फेरा) प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07255 चर्लपल्लि-पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्लि से 19 मार्च 2025 से 28 मई 2025 तक (11 फेरा) प्रत्येक बुधवार को तथा गाड़ी संख्या 07256 चर्लपल्लि-पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्लि से 21 मार्च 2025 से 30 मई 2025 तक (11 फेरा) प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी।

गाड़ियों की समय सारिणी- गाड़ी संख्या 03253 पटना-चर्लपल्लि द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, पटना से 17 मार्च 2025 से 28 मई 2025 तक (22 फेरा) प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को दोपहर 15.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली स्टेशन बिलासपुर में आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.45 बजे, रायपुर आगमन 09.43 बजे, प्रस्थान 09.45 बजे, दुर्ग आगमन 10.10 बजे, प्रस्थान 10.20 बजे, गोंदिया आगमन 12.50 बजे, प्रस्थान 12.55 बजे होते हुये प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को 03.30 बजे चर्लपल्लि स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07255 चर्लपल्लि-पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्लि से 19 मार्च 2025 से 28 मई 2025 तक प्रत्येक बुधवार को 23.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक गुरुवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली गोंदिया स्टेशन आगमन 11.40 बजे, प्रस्थान 11.45 बजे, दुर्ग आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 14.00 बजे, रायपुर आगमन 14.33 बजे, प्रस्थान 14.35 बजे, बिलासपुर में आगमन 16.45 बजे, प्रस्थान 16.50 बजे होते हुये प्रत्येक शुक्रवार को 11.30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07256 चर्लपल्लि-पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्लि से 21 मार्च 2025 से 30 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 21.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक शनिवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली गोंदिया स्टेशन आगमन 09.40 बजे, प्रस्थान 09.45 बजे, दुर्ग आगमन 11.50 बजे, प्रस्थान 12.00 बजे, रायपुर आगमन 12.33 बजे, प्रस्थान 12.35 बजे, बिलासपुर में आगमन 14.45 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे होते हुये प्रत्येक रविवार को 09.30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी।

कोचों की उपलब्धता- इन स्पेशल ट्रेनों में 02 एसएलआरडी, 06 जनरल, 12 स्लीपर, 02 एसी-III, 02 एसी-II सहित कुल 24 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

इन गाड़ियों के वाणिज्यिक ठहराव- रास्ते में ये गाडियाँ दोनों दिशाओं में तारेगना, जहानाबाद, गया, कोडरमा, पारसनाथ, गोमोह, बोकारो, रांची, हटिया, राऊरकेला, झारसुगुड़ा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, बल्लारशाह, सिरपुर काघदनगर, बेल्लंपल्ली, पेद्दापल्ली तथा काजीपेट स्टेशनों पर रुकेगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354